वाराणसी
शुक्रवार 14 नवम्बर से गुरुवार 20 नवम्बर 2025
वर्ष : 1 अंक : 13
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 8
PRGI No. UPHIN/25/A2219
info@ujalasanchar.com
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

मौसम
सूर्योदय : 6.53
सूर्यास्त : 5.12

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

बिहार में एनडीए की सुनामी

भाजपा बनी सबसे बड़ी पार्टी

पटना। बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। 243 में से 200+ सीटों के साथ एनडीए रिकॉर्ड जीत की ओर है। जबकि महागठबंधन के खाते में 35 सीटें आ रही हैं।

एनडीए को 2020 के मुकाबले 75 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी जेडीयू की झोली में इस बार 80+ सीटें हैं। वहीं 89 सीटों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। राजद 24 सीटों पर आगे चल रही है।

बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव करीब 12 हजार वोटों से जीत गए हैं। तेजप्रताप यादव महुआ से चुनाव हार गए हैं। उनकी पार्टी जेजेडी ने हार के बाद फेसबुक पर पोस्ट किया है।

इसमें लिखा है- तेजस्वी फेलस्वी हो गया। आरजेडी को जयचंदों ने खोखला कर दिया। मोदी विश्व के मजबूत नेता हैं। एनडीए DA को उसकी एकता ने जिताया। महागठबंधन में राजद के खाते में 26, जबकि कांग्रेस 6 सीटों पर जीत की ओर है। पीके की पार्टी जन सुराज और वीआईपी का खाता भी नहीं खुला है। निर्दलीय समेत अन्य 3 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।

रिजल्ट को लेकर राहुल गांधी ने पर लिखा है बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था।

इस जीत के लिए दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में पीएम का स्वागत किया गया है। मोदी ने बिहारी स्टाइल में गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा, छठी मइया के नारों से अपने संबोधन की शुरूआत की। कहा, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया है। बिहार में अब कट्टा और जंगलराज सरकार नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि, इस परिणाम ने नया फॉर्मूला दिया है। ये है महिला और यूथ फॉर्मूला।

बिहार ने गर्दा उड़ा दिया, अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार

प्रचंड जीत के बाद बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। बिहार विधान सभा चुनावों में प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय पहुंचे, जहां कार्यकताओं ने उनका जोरदार और उत्साहपूर्ण स्वागत किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री ने जय छठी मैया! जय छठी मैया! जय छठी मैया! के जयघोष के साथ संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस चुनाव में ऐसा जनादेश दिया है कि पूरे देश में गर्दा उड़ा दिया। प्रधानमंत्री ने मुस्कराते हुए कहा कि बिहार ने इस बार मखाने की खीर बनाना पक्का कर दिया और उन्हें यह जानकर खुशी है कि दिल्ली मुख्यालय में भी कार्यकताओं ने मखाने की खीर खिलाकर इस जीत को और मीठा बना दिया। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए एक ऐसा गठबंधन है जो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनता-जनार्दन की सेवा में लगा है। हम तो जनता जनार्दन का दिल पहले ही चुरा कर बैठे हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने अपने भाषण में जंगलराज और कट्टा सरकार का भी जिक्र किया। पीएम मोदी बोले, बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज की बात करता था, कट्टा सरकार की बात करता था तो RJD के लोग विरोध नहीं करते थे, लेकिन कांग्रेस को बहुत चुभता था। लेकिन आज मैं फिर कहता हूं– अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि बिहार की जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है–फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बिहार की जनता से रिकॉर्ड मतदान का आग्रह किया था और बिहार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बिहार की जनता से एनडीए को प्रचंड विजय दिलाने की अपील की थी और लोगों ने वह आग्रह मान लिया। 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश बिहार ने एनडीए को दिया है, उन्होंने कहा। प्रधानमंत्री ने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में समाज के हर वर्ग का आशीर्वाद एनडीए को मिला है, जबकि महागठबंधन समाज को बांटकर राजनीति करने में लगा था। नड्डा ने कहा कि महागठबंधन की रणनीति समाज को खंडित कर सत्ता हासिल करने की थी और वे बिहार को बिहारियों की जगह घुसपैठियों के सहारे चलाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य राष्ट्रवादी ताकतों के साथ खड़ा है। हम तो जनता जनार्दन का दिल पहले ही चुरा कर बैठे हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने अपने भाषण में जंगलराज और कट्टा सरकार का भी जिक्र किया। पीएम मोदी बोले, बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज की बात करता था, कट्टा सरकार की बात करता था तो RJD के लोग विरोध नहीं करते थे, लेकिन कांग्रेस को बहुत चुभता था।

वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया: अमित शाह

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद राज्य की जनता का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक बिहार भूमि की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहारवासियों की ओर से एनडीए को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले 11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह जनादेश विकसित बिहार के संकल्प के लिए है। उन्होंने लिखा, बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है।

इसे विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत बताते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब सिर्फ और सिर्फ प्रदर्शन की राजनीति के आधार पर जनादेश देती है।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ एनडीए के सभी नेताओं और कार्यकताओं को जीत की बधाई देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के बिहार भाजपा के सभी कार्यकताओं का अभिवादन करता हूं। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने एनडीए को यह जनादेश दिया है, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

बिहारवासियों की ओर से एनडीए को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले 11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया।

चुनाव निष्पक्ष नहीं था: राहुल

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर अपना विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

भाजपा दल नहीं, छल है: अखिलेश यादव

केशव ने कहा- बिहार जैसी पिक्चर यहां भी दिखेगी

लखनऊ। बिहार चुनाव में एनडीए गठबंधन प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है। चुनावी नतीजे अब साफ होने लगे हैं। 243 सीटों के रुझान में NDA क्लीन स्वीप करती दिख रही है। इस बीच यूपी में भाजपा और उसके सहयोगी दल फूले नहीं समा रहे। एनडीए गठबंधन इस विजय को विकास की जीत बता रहा है। वहीं, अखिलेश ने विपक्ष की हार के लिए रक्फ़को जिम्मेदार ठहराया।

सपा मुखिया ने कहा कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर खेल किया गया है। यूपी में हम ऐसा नहीं होने देंगे। इधर, काशी में भाजपा कार्यकताओं ने जश्न भी शुरू कर दिया है। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ता बिहार में बहार... वाले पोस्टर के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई। ढोल-नगाड़ों पर कार्यकर्ता नाचते-झूमते दिखाई दिए।

सीएम योगी ने कहा कि बिहार में भाजपा-एनडीए गठबंधन की जीत डबल इंजन सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- बिहार वाली पिक्चर यूपी में भी दिखेगी।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बिहार के नतीजों को सुशासन की जीत बताया। उन्होंने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा- हमने पहले ही कहा था कि बिहार की जनता ने मोदी जी की गरीब कल्याण योजनाओं पर और नीतीश जी के सुशासन पर मुहर लगाने का मन बना लिया है।

उन्होंने कहा- सबसे बड़ी बात यह है कि बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों ने जाति-धर्म से ऊपर उठ कर एनडीए के प्रत्याशियों को वोट दिया है। नीतीश जी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन ने कानून-व्यवस्था और सुशासन पर आज भी बिहार के लोगों को विश्वास है।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर काशी में उत्सव, ढोल नगाड़ों संग मना विजय जश्न

गुलाबबाग स्थित भाजपा कार्यालय पर आतिशबाजी, मिठाई व विजय घोष की गूंज
नेताओं ने कहा जनादेश ने विकास, सुशासन और मोदी व नीतीश नेतृत्व पर लगाई मुहर
प्रदीप अग्रहरि, महापौर अशोक तिवारी और डॉ. नीलकंठ तिवारी ने दी कार्यकर्ताओं को बधाई

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी। बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए को मिली प्रचंड जीत की खबर जैसे ही फैली, काशी में भाजपा कार्यकताओं के हृदय में उमंग की तरंगें लहराने लगीं गुलाबबाग स्थित भाजपा कार्यालय पर दृश्य कुछ ऐसा था मानो दीपावली की चकाचौंध फिर से उतर आई हो ढोल नगाड़ों की तेज थापों पर कार्यकर्ता ताल से ताल मिलाते थिरक रहे थे आतिशबाजी से आकाश रौशन था और हवा में घुली मिठाई की सुगंध, चेहरे पर झलमलाती मुस्कान सब मिलकर उत्सव का ऐसा भाव रच रहे थे मानो लोकतंत्र स्वयं विजय पताका फहरा रहा हो` कार्यालय परिसर गुलाबी रोशनी, केसरिया उमंग और उत्साह की गहन लहरों से भर उठा` कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, गले लगाकर और एनडीए विजय के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया` हर ओर प्रसन्नता की ऐसी हवा बही कि लगता था बिहार की जीत काशी की धमनियों में भी प्रकाश बनकर दौड़ गई है। भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने इस अवसर पर कहा कि यह जीत जनता के विकास संकल्प और लोकतंत्र की अटूट आस्था की विजय है उन्होंने कहा बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की राजनीति को सर आंखों पर रखा है यह जीत कार्यकताओं की तपस्या और जनता के आशीर्वाद की चमक है` महापौर अशोक तिवारी ने एनडीए की प्रचंड जीत को सत्य पर जनता की मोहर बताते हुए कहा बिहार की जनता ने राहुल गांधी के प्रपंच और महागठबंधन के हर झूठ को नकार दिया` नकारात्मकता और छल का जो धुंध फैलाया गया था, जनता ने उसे हवा के झोंके की तरह उड़ा दिया यही कारण है कि एनडीए को ऐतिहासिक जनसमर्थन प्राप्त हुआ है महापौर अशोक तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह को बधाई दी। शहर दक्षिणी विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि इस जनादेश में बिहार की हर आवाज शामिल है गाँव, किसान, युवा, महिलाएं और कमजोर तबकों की उम्मीदें उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन मॉडल पर जनता ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। अगले पाँच वर्षों में बिहार में विकास की धारा और तेज बहेगी, महिला सशक्तिकरण के नए आयाम स्थापित होंगे। विकसित भारत की राह में विकसित बिहार एक मजबूत कदम होगा। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री मीना चौबे, पुर्व मेयर रामगोपाल मोहले, पूर्व एमएलसी शतरूद्र प्रकाश, सुभाष गुप्ता, राकेश शर्मा, काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा नम्रता चौरसिया, सुधीर मिश्रा, संतोष सोलापुरकर, सुरेश सिंह, कुसुम पटेल, निर्मला सिंह पटेल, रचना अग्रवाल, जगदीश त्रिपाठी, अशोक पटेल, आत्मा विश्वेश्वर मधुकर चित्रांश, अशोक जाटव, मुरलीधर सिंह एडवोकेट, चंद्रशेखर उपाध्याय, जेपी सिंह, रणजय सिंह, अखिलेश सिंह सनी, अवधेश राय, संजय कुमार, हरि केसरी, अशोक मिश्रा, सुरेखा सिंह, इंदू सिंह, सीमा वर्मा, रीना पात्रों, गीता सिंह, मीरा गुप्ता, सुनीता विश्वकर्मा, गीता शास्त्री, अनीशा शाही, नेहा कक्कड़, सुष्मिता सेठ, रविंद्र सिंह, हीरा यादव, पंकज चतुर्वेदी, शैलेंद्र सिंह, दिलीप साहनी, सुजीत सिंह टीका, प्रेम पासी, गिरीश श्रीवास्तव, अनमोल सिंह, सिद्धार्थ सिंह, विवेक सिंह सोनू, सोमनाथ विश्वकर्मा, प्रमोद यादव मुन्ना, अनिल उपाध्याय, विनय सिंह, विनोद चौहान, अनिल तिवारी, अनिल गुप्ता, तुषार सेठ, कुशाग्र श्रीवास्तव, सौरभ मुन्ना, अभिषेक श्रीवास्तव, प्रीतम पाठक, नीरज जायसवाल, कुंवरकांत सिंह, गंगाधर उपाध्याय, मंगलेश कुमार जायसवाल, पप्पू सोनकर, बृजेश चौरसिया, पुन्नू लाल बिंद, प्रवीण राय, शशांक अग्रवाल, वैभव उपाध्याय, पिंटू जायसवाल, चंदन जायसवाल, राजेंद्र सिंह पटेल, विनोद भारद्वाज, प्रमील पाण्डेय, शैलेंद्र मिश्रा, अशोक कुमार पाण्डेय मुख्य रुप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

बाल दिवस की अनूठी झलकः बचपन खिलता रहे, सीखता रहे, आगे बढ़ता रहे

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। प्राथमिक विद्यालय राजपुर-प्रथम, नगर, मिजार्पुर में बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों द्वारा एक प्यारा-सा मेले का आयोजन किया गया। स्टॉल बच्चों ने स्वयं मिलकर लगाई–जिसमें से हर स्टॉल पर उनकी मेहनत, उत्साह और मासूमियत चमक रही थी। बच्चों ने अपने स्टॉल पर सजावट से लेकर वस्तुओं की प्रस्तुति तक–सब कुछ खुद किया। इस मेले में गाँव के लोग भी खरीदार बनकर बच्चों को प्रोत्साहित करने पहुँचे–जिससे बच्चों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया। यह बाल मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं था–यह बच्चों की और सीखने के अद्भुत अवसर का उत्सव था। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने बच्चो को बताया कि चाचा नेहरू बच्चों से बहुत प्यार करते थे इसलिए इनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, कार्यक्रम में स्कूल की सभी शिक्षिकाएं और स्टाफ मौजूद रहे। छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद प्रतियोगिताएं, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन हुआ और छात्रों को उपहार भी बांटे गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक की भिड़ंत, युवक की मौके पर मौत

बलियाः नगरा-रसड़ा मार्ग पर रघुनाथपुर मोड़ के आगे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दीपक कुमार (32) निवासी मलपहरसेनपुर की मौके पर ही मौत हो गई। खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक के टकराने से यह दर्दनाक दुर्घटना हुई। नगरा थाना प्रभारी संजय मिश्रा ने बताया कि दीपक कुमार किसी कार्य से रसड़ा गए हुए थे। लौटते समय उनकी बाइक तेज रफ्तार में रघुनाथपुर मोड़ के आगे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग तथा परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नर्मदा महायज्ञ पूर्णाहुति संग पशु मेला का समापन

बलिया बैरिया तहसील। क्षेत्र के सुदामापुरी इम्ब्राहिमाबाद पशु मेला के समीप श्री नर्मदा महायज्ञ की पूर्णाहुति शुक्रवार को भव्य भंडारा के साथ संपन्न हुआ। यह यंग 6 नवम्बर से कलश यात्रा से शुरू होकर 14 नवम्बर को यज्ञाचार्य पुरुषोत्तम मिश्र के साथ 9 आचार्यगण द्वारा सम्पन्न हुआ। राम बालक दास के सानिध्य में श्री विमल दास जी द्वारा विगत वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष सुदामापुरी इम्ब्राहिमाबाद में यज्ञ चल रहा है। सुदामापुरी के संत विमल दास जी नर्मदा माता के भक्त हैं। ये दो दो बार नर्मदा के किनारे वर्षो तक भ्रमण कर मां नर्मदा का साक्षात्कार कर चुके हैं। यज्ञ में अयोध्या से पधारे संत शक्तिपुत्र बुलेट बाबा द्वारा इस मौके पर प्रतिदिन श्री राम कथा का प्रवचन कर लोगों को अपने अमृत वाणी से भाव विभोर व जमकर झूमाया । महायज्ञ में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप का भ्रमण कर प्रसाद ग्रहण किये।

यज्ञ को सफल बनाने में इम्ब्राहिमाबाद के प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश सिंह,पूर्व प्रधान विनोद सिंह, बुचुल मिश्र,सुरेन्द्र सिंह,पूर्व प्रधान विनोद कुमार,सुनील सिंह,निर्भय कुमार,पवन कुमार सहित क्षेत्र के काफी संख्या में लोग यज्ञ को सफल बनाने में दिन रात लगे रहे।

गोवंश के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर : अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जमानियां कोतवाली पुलिस टीम ने दो गोवंश के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को उपनिरीक्षक अश्वनी प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा ग्राम इलायचीपुर से अभियुक्त श्रवण यादव पुत्र महेन्द्र यादव निवासी ग्राम अडिला थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को दो गोवंश के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के सम्बन्ध में गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गयी।

राष्ट्रीय बाल दिवस का हुआ आयोजन

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन के अध्यक्षता में आज 14 नबम्वर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे लहरतारा के मिनी स्टेडियम में राष्ट्रीय बाल दिवस-2025 का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय बाल दिवस के अंतर्गत बालक एवं बालिकाओं के 8 से 12 वर्ष तथा 12 से 14 वर्ष आयु के वर्गों में विभिन्न खेलकूद ,दौड़ प्रतियोगिताएँ ,सुई धागा एवं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन ने कार्यक्रम का शुभारंभ झंडा रोहण तथा बच्चों के साथ गैस के गुब्बारें उड़ाकर उद्घाटन किया । उन्होंने बाल दिवस पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी बाल दिवस के विशेष अवसर पर एकत्रित हुए हैं जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बाल दिवस हम सब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के जयंती पर मनाते हैं । नेहरू जी को बच्चों से बहुत लगाव था और उनका विश्वास था कि बच्चों में मासूमियत जिज्ञासा और अदम्य साहस होता हैं जो बेहतर समाज की नींव रख सकता है,आप सभी बच्चें इस देश का आने वाला भविष्य है मैं चाहूँगा की आप सभी बच्चें लोग अपने-अपने लक्ष्य को ध्यान रखें। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए नियम,संयम और अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है । आप के जीवन में अनुशासन ऐसी चीज है जो हर जगह मदद करेगी, चाहे वाह पढ़ाई हो या खेल चाहे कोई भी कार्य करना हो अनुशासन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । इसके बाद दूसरी बात सफाई और स्वच्छता की, आप लोग सभी बच्चें लोग आसपास को स्वच्छ रखें और साथ ही साथ और लोगों को स्वच्छता के लिए जागरुक करें, यदि बच्चे किसी बात को बोलते हैं तो बड़े लोगों पर इसकी बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है । कड़ी मेहनत का दूसरा कोई अल्टरनेटिव नहीं है खूब मेहनत कीजिए और अपने सपने को सच करने में कोई कसर मत छोड़िये, मैं एक बार फिर बच्चों, अभिभावकों को इस कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और बच्चों को बाल दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में बताया की हमसब 14 नवंबर दिन बाल दिवस के रूप में याद रखते हैं। यह दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन है, और वह बच्चों से बहुत प्यार करते थे और इसीलिए उन्होंने अपने जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाए जाने का निश्चय किया था।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक गिरफ्तार

चंदौली। डीडीयू जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी, सीआईबी एवं सीपीडीएस टीम के संयुक्त चेकिंग के दौरान आरपीएफ डीडीयू के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत एवं जीआरपी डीडीयू के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह,सीआईबी डीडीयू के निरीक्षक प्रभारी अर्जुन कुमार यादव के नेतृत्व में संयुक्त टीम के उप निरीशक अश्वनी कुमार,उप निरीक्षक सुनील कुमार,आ0/पवनेश कुमार सिंह, आ0/अजय पाल सभी रेसुब/पो0/डीडीयू, सीपीडीएस टीम डीडीयू साथ जीआरपी के उप निरीक्षक आनंद कुमार भारती,आरक्षी रंजीत कुमार के द्वारा संयुक्त चेकिंग के दौरान डीडीयू जंक्शन के मेन फूट ओवर ब्रिज पर चेकिंग के दौरान दिन करीब 12 बजे एक व्यक्ति को पिट्ठू बैग लिए हुए तेज कदमों से डीडीयू स्टेशन के पैदल गामी पुल पर जाते हुए पकड़ा गया।पूछताछ करने पर उसने अपना नाम व पता-(1) आयुष राज,उम्र करीब 27 वर्ष,पुत्र जगदयाल सिंह, निवासी- गोपी बीघा,थाना डेहरी ,जिला- रोहतास (बिहार), बताया। उसके पास से बरामद पिट्ठू बैग में नकद 60,00,000 रुपए(500 रुपए के 12000

नोट) पाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह कैश को वाराणसी से सासाराम (बिहार) लेकर जा रहा है कैश के सम्बन्ध में पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया एवं न ही मौके पर कोई वैद्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया।प्रारंभिक पुछताछ करने के बाद रेल सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयु पर लाया गया तथा इसकी सुचना आयकर विभाग/वाराणसी(उत्तर प्रदेश) को दिया गया।

बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र व मेडल देकर किया पुरस्कृत

राजातालाब। बाल दिवस के अवसर पर आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के मेहंदी गंज स्थित पीएस पब्लिक स्कूल पर आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर दिनेश पटेल द्वारा दीप प्रज्वलन व मशाल जलाकर किया गया। इस खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने कबड्डी,खो-खो,दौड़, क्रिकेट इत्यादि प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल ने प्रतियोगिता में प्रतिभागी विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र के साथ मेडल देकर सम्मानित करते हुए पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते

हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्कूल में इस तरह की खेलकूद का प्रतियोगिता का आयोजन करने से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।विद्यालय के मैनेजर उत्तम पटेल ने बताया कि हमारे स्कूल के बच्चों द्वारा संसदीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वर्ण मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ी बच्चों को भी सम्मानित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से चेयरमैन अमरनाथ पटेल, डायरेक्टर दिनेश पटेल, मैनेजर उत्तम पटेल, प्रिंसिपल कल्पना शर्मा,कोच दिनेश प्रजापति, रेखा पटेल, अमृता जोशी, अजीत पटेल, शुभम पटेल, राकेश, संदेश, वंदना परिहार इत्यादि शिक्षक गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण (डी एल सी) पत्र अभियान 4.0 के तहत हो रहा है मऊ रेलवे स्टेशन पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 4.0 चलाया जा रहा है, जिसके द्वारा पेंशनरों या पारिवारिक पेंशनरों के लिये जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल एवं आसान बनाया जा रहा है।

इसी क्रम में वाराणसी मंडल, लेखा विभाग के पेंशन अनुभाग द्वारा राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0के अंतर्गत फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के प्रसार हेतु मऊ रेलवे स्टेशन पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 28 पेंशनरों ने भाग लिया जिनमें से सभी पेंशनरों का उछउ जारी किया गया । पेंशनरों के बीच पम्पलेट वितरित करते हुए उन्हें प्रशिक्षित भी किया गया।

कार्यशाला में विकास कुमार पाण्डेय,लेखाकार ने डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तकनीक विशेष रूप से अशक्त एवं वृद्ध पेंशनरों के लिए अत्यंत ही उपयोगी है, क्योंकि वे इसके माध्यम से बिना बैंक गए अपने जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं। प्रशिक्षण शिविर में श्री आशीष चौधरी,लेखाकार ने उपस्थित पेंशनरों को फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का डेमो प्रदर्शित कर प्रशिक्षण दिया गया तथा लेखा विभाग के पेंशन अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा उपस्थित पेंशनरों के जीवन प्रमाण-पत्र को इस तकनीक के माध्यम से दर्ज किए गए एवं 28 पेंशनरों का डिजिटल लाइफ सर्टीफिकेट बनाया गया।

बनारस के बिजलकर्मियो ने आज भी बिजली के निजीकरण के विरुद्ध 351वें दिन जमकर विरोध प्रदर्शन किया

वाराणासी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले आज भी बनारस के बिजलकर्मियो ने बिजली के निजीकरण के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया।

वक्ताओ ने बताया कि संघर्ष समिति का प्रतिनिधि मंडल अभी कल ही प्रबन्ध निदेशक महोदय से मिला था और उनसे वर्ष-2023 में निकाले गये संविदाकर्मियों को वर्तमान में रिक्त चल रहे पदों पर उनके अनुभव को ध्यान में रखते हुये रखने का आश्वासन लिया था तब तक आज पता चला कि नगरीय विधुत वितरण मण्डल -द्वितीय वाराणासी के अधीन नये टेंडर जो 01 दिसम्बर से लागू होगा उसमे मछोदरी, कज्जाकपुरा, इमिलियाघट एवं पहड़िया से लगभग 152 संविदाकर्मियों को निकालना है

क्योंकि वर्तमान टेंडर 641 संविदाकर्मियों का है किंतु आगामी 01दिसम्बर से नये टेंडर में 489 संविदाकर्मी रखने है।

अल्प वेतन भोगी संविदाकर्मियों के छटनी की बात सुनकर कर्मचारियों में भारी निराशा व्याप्त हो गयी है उनके मन मे ये सवाल कि अगले महीने से अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करेंगे ,जिस विभाग को अपनी पूरी जवानी दे दी अब इस उम्र और समय मे उनको कौन नौकरी देगा? ये बात सोचकर बेचारे सभी सुन्न पड़ गए है और अब अपने मुखिया प्रबन्ध निदेशक और संघर्ष समिति की ओर आस लगाये बैठे है।

वक्ताओ ने बताया कि पिछले दिनों निकाले गये संविदाकर्मियों का नतीजा इस वर्ष की गर्मी में उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से तंग आकर ऊर्जा मंत्री जी का घेराव करना पड़ा जिसके कारण ऊर्जा मंत्री जी ने सभी कर्मचारियों को वापस रखने हेतु पत्र भी जारी करते हुये मीडिया के सामने कहा कि संविदाकर्मियों को निकालकर मुझे बदनाम करने की साजिश चल रही है किंतु जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री जी के संसदीय क्षेत्र में मंडल प्रथम में 150 संविदाकर्मियों को निकाल दिया गया जिसके कारण मण्डल प्रथम की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी ठीक उसी प्रकार मंडल-द्वितीय में 152 संविदाकर्मियों के छटनी से निश्चित तौर पे आगामी ओ0टी0एस0 योजना के साथ भीषण गर्मी में मछोदरी, मैदागिन,टाउन हॉल, कोनिया, अलईपुरा, जैतपुरा, चौकाघाट,अर्दली बाजार, शिवपुर,भोजूबीर,सारनाथ,पांडेयपुर, आशापुर,पंचकोशी आदि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो जाएगी।

विश्व मधुमेह दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

चंदौली। आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर महादेव मेमोरियल हॉस्पिटल डीडीयू नगर द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर निशुल्क एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया इस आयोजन का उद्घाटन एडीजे अशोक कुमार एवं एडीजे अनुपम शर्मा ने संयुक्त रूप से शिविर का उद्घाटन किया। शिविर के क्रम में सैय्यदराजा विधायक सुशील सिंह और पंडित दीनदयाल उपाध्याय विधायक रमेश जायसवाल, पूर्व विधायक बब्बन चौहान का आगमन हुआ। इस शिविर में मधुमेह हृदय श्वास रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।शिविर में ब्लड शुगर ,टीशएच, एच बीए 1 ,लिपिड प्रोफाइल ब्लड प्रेशर बीएमआई, डेंटल चेकअप, आईचेक, व सीपीआर जैसे जांच किए गए।

इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के सैकड़ो लोगों ने अपना जांच कराया और आमंत्रित डॉक्टरों द्वारा सलाह लिया, शिविर में कई नाम चिन फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही और

उनके द्वारा मरीजों का जांच और सलाह में सहयोग और समर्थन दिया। इस शिविर को सफल बनाने में डॉ डी पी सिंह, डॉ सी सोम,डॉ राहुल सिंह, डॉक्टर अमित सिंह, डॉ. भारत जायसवाल,डॉ विकास गर्ग, सभासद रमेश चौहान, बंटी, सन्तोष जायसवाल, नाजमीन, सूरज, शेराज, सियाराम यादव, उमेश नारायण सिंह,इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

देवभूमि पब्लिक स्कूल में मनाया गया बाल दिवस

तहसील प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार की रिपोर्ट/ ब्यूरो चीफ संजय यादव, सिगेंरा। क्षेत्र के गोपालपुर गांव स्थित देवभूमि पब्लिक स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य छविनाथ मिश्रा।गांधी इण्टर कॉलेज ढोटारी एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार मिश्रा उदयप्रताप स्मारक इण्टर कॉलेज भाला रहे।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने पंडित नेहरू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया।दीप प्रज्वलन के बाद कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक एवं शिक्षाप्रद प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया।विद्यालय के चेयरमैन मार्कण्डेय पाण्डेय एवं प्रबंध निदेशक डॉ.ओमप्रकाश पाण्डेय ने

पुष्प गुच्छ से मुख्य अतिथि का स्वागत किया।स्वागत भाषण प्रधानाचार्य शशीन्द्र शर्मा ने किया।मुख्य अतिथि ने वर्ष भर विद्यालय में हुए क्रियाकलापों के विजेता बच्चो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि ने विज्ञान प्रदर्शनी एवं बाल मेला का फीता काटकर शुभारंभ किया।बच्चों के क्रियाशील मॉडलों ने सभी का मन मोह लिया।बाल मेला में बच्चों द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट पकवानों का मुख्य अतिथि ने लुफ्त उठाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं।विद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों का चौमुखी विकास होता है उन्होंने विद्यालय के प्रयास की सराहना की।मुख्य अतिथि छविनाथ मिश्रा ने बच्चों के निरंतर प्रगति की कामना की।धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के अध्यक्ष मार्कंडेय पांडेय ने दिया।

स्टे आर्डर के बावजूद तोड़फोड़ की शिकायत लेकर विधवा महिला पहुंची जिलाधिकारी के दरबार

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। थाना कोतवाली कटरा निवासिनी सोनकली विधवा स्व श्रीनाथ जायसवाल आज जिलाधिकारी से गुहार लगाई कि न्यायालय सिविल जज सी० डी० मीरजापुर के वाद स० १९२ सन् २०२४ सोनकली बनाम सीमा केशरी के बाद में न्यायालय द्वारा दिनांक १६८-२०२५ को यथास्थिति निषेधाज्ञा का आदेश पारित होने के बावजूद भी विपक्षीगण गुण्डा गर्दी के बल पर प्रार्थिनी के तीन मंजिला भवन को गिराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इनका कहना है कि अमन केशरी और विवेक केशरी पुत्रगण केशव प्रसाद, आशीष केशरी,केदार केशरी, केशव प्रसाद केशरी पुत्र बावन दास समस्त निवासीगण विलासी की गली रतनगंज थाना को० कटरा जनपद मीरजापुर और कमलेश मोदनवाल पुत्र अज्ञात निवासी मोहल्ला तेलिया गंज पारस चाय वाले के बगल में थाना को० कटरा जनपद मीरजापुर सोनकली का कहना है कि प्रार्थिनी कमजोर महिला है और प्रार्थनी ने न्यायालय सिविल जज सी० डि० जिला मीरजापुर के बाद सं० १६२ सन् २०२० सोनकली आदि बनाम सीमा केशरी के नाम से मुकदमा विचाराधीन है, और न्यायालय द्वारा निषेधाज्ञा का आदेश पारित दिनांक १६८- २०२५ को पारित किया गया है और सीमा केशरी न्यायालय में हाजिर है परन्तु सीमा केशरी अपने पुत्रगण व पति के साथ अन्य बदमाश इक्टठा करके हम प्रार्थिनी के तीन मजिला मकान के हिस्से की गुण्डा गर्दी के बल पर गिरा रहे थे मना करने पर हमारी पुत्री पूजा मना करने गयी तो पूजा को भद्दी भद्दी गाली गुप्ता देने लगे और सभी विपक्षी गण हम प्रार्थिनी की पुत्री को दौड़ा लिये और प्रार्थिनी के पुत्री ने अपने दुकान में भागी तो विपक्षीगण घर में घुस कर हमारे पुत्री की कापड से मारे व जान से मारने की धमकी दिये कि हम किसी न्यायालय के आदेश को नहीं मानेगे और तुम्हारा तीन मंजिला मकान गिरा देगे । ऐसी स्थिति में विपक्षीगण के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की।

द गुरुकुलम स्कूल में चिल्ड्रन्स डे की धूम–टीचर बनाम स्टूडेंट वॉलीबॉल मैच रहा आकर्षण का केंद्र

चिल्ड्रन्स डे उत्सवः खेल, संस्कृति और रचनात्मकता ने सजाया गुरुकुलम स्कूल का मंच

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली, चन्दौली/डीडीयू नगर। द गुरुकुलम स्कूल में चिल्ड्रन्स डे उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में बच्चों की खुशियाँ, संगीत और सांस्कृतिक रंग बिखरे रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका मुखर्जी, सेंट्रल टीम की शालिनी मैम, तथा विद्यालय के डायरेक्टर अभिषेक सर द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

प्रधानाचार्या महोदया ने अपने संबोधन में कहा– बच्चों की रचनात्मकता, ऊर्जा और जिज्ञासा ही शिक्षा जगत की असली प्रेरणा है। हम उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, कविता, नाटक और कला प्रदर्शनी जैसी विविध प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। सेंट्रल टीम की शालिनी मैम ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय का माहौल बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अत्यंत अनुकूल है।

संक्षिप्त समाचार

धर्मेन्द्र की मौत की झूठी खबर चलाने वाले टीवी चैनल पर याचिका दायर, फर्जी खबर पर अधिवक्ताओं की बड़ी कार्रवाई

बलिया: बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र की मौत की झूठी खबर प्रसारित करने वाले एक राष्ट्रीय टीवी चैनल के खिलाफ बलिया में कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। चैनल की इस अनवेरिफाइड और भ्रामक रिपोर्टिंग से आहत होकर एडवोकेट वरूण पाण्डेय ने जिला एवं सत्र न्यायालय में याचिका दायर की है। गुरुवार को कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में मामले की जानकारी दी। एडवोकेट वरूण पाण्डेय ने बताया कि चैनल ने बिना किसी आधिकारिक पुष्टि के धर्मेन्द्र की मृत्यु की खबर चला दी, जिससे पूरे देश में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। कई प्रतिष्ठित लोगों ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि तक दे डाली, लेकिन बाद में जब अभिनेता के जीवित होने की पुष्टि हुई तो सभी ने अपनी पोस्ट हटा दीं। वरूण पाण्डेय ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब संबंधित चैनल ने इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना पत्रकारिता की है। इससे पहले भी सेना और देश की बेटियों से जुड़े संवेदनशील मामलों में अनवेरिफाइड खबरें प्रसारित की गई थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें न सिर्फ परिवार और प्रशंसकों को आघात पहुंचाती हैं, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुँचाती हैं।

सरदार पटेल जयंती पर विशेष पदयात्रा आज, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह करेंगे शुभारंभ

अवधेश यादव, बलिया: लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बलिया में 15 नवंबर को भव्य विशेष पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। पदयात्रा का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे वीर लोरिक स्टेडियम से होगा। मुख्य अतिथि के रूप में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय मिश्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। उपनिदेशक एवं नोडल अधिकारी कपिल देव के अनुसार, पदयात्रा वीर लोरिक स्टेडियम से प्रारंभ होकर कुंवर सिंह चौराहा, टीडी कॉलेज चौराहा, ओवर ब्रिज, सिटी हॉस्पिटल, कासिम बाजार होते हुए गांधी पार्क चौक पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा रेलवे स्टेशन, माल गोदाम, सतीश चंद कॉलेज, नारायणी टॉकीज और कदम चौराहा तक जाएगी। कदम चौराहा स्थित शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पदयात्रा भृगु आश्रम के पीछे वाले मार्ग से शास्त्री पार्क चौक होते हुए नया चौक, जापलिनगंज पहुंचेगी, जहां चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे।

नगरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 700 लीटर अवैध शराब बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

अवधेश यादव, बलिया: थाना नगरा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 700 लीटर अपमिश्रित कच्ची देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में शराब बनाने की सामग्री भी मौके से बरामद की गई। यह कार्रवाई मुखबिर की सटीक सूचना पर की गई। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत नगरा के वार्ड संख्या 4 चचयां में बड़े पैमाने पर अवैध कच्ची शराब बनने और बेचे जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिस पर थानाध्यक्ष संजय मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार रात पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मनोज गुप्ता पुत्र मुन्नीलाल गुप्ता निवासी चचयां को मौके से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने वहां से दो सौ लीटर क्षमता वाले चार प्लास्टिक ड्रम और पाँच प्लास्टिक जरीकेन में भरी कुल 700 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की।

लेखपाल संघ के स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

मिर्जापुर के सदर तहसील प्रांगण में लेखपाल संघ के 64 वा स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे चारों तहसील के लेखपाल एवं पदाधिकारी उपस्थित हुए। उपस्थित लोगो द्वारा संगठन को मजबूत करने एवं लेखपालों के समस्याओं एवं समाधान पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुजीत सिकन्दर एवं अध्यक्षता पूर्व जिला मंत्री एवं राजस्व निरीक्षक भिमसेन सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में खण्ड मंत्री विध्याचक मण्डल राम आसरे, जिलाध्यक्ष बेनू यादव, जिलामंत्री अवनीश पटेल, पूर्व जिला मेली विनीत त्रिपाठी, राजस्व निरीक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार यादव, जिलामंत्री धीरज किशोर सिंह एवं लेखपाल साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सदर अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।

संत समागम से ददरी मेला का शुभारंभ

बलिया। ददरी मेला 2025 में महर्षि भृगु की पौराणिक परंपरा में संत समागम से ददरी मेले का शुभारंभ होता है। इस महान परंपरा को आज 20 से अधिक संतो ने आशीर्वाद और प्रवचन से ददरी मेला और भारतेंदु मंच को पवित्र किया।सर्वप्रथम सभी पूज्य शांति ने सामूहिक दीप का प्रज्वलन कर संत समागम का शुभारंभ किया। फिर पूज्य सभी संतो ने साल,माला और महर्षि भृगु प्रतीक चिन्ह ग्रहण कर जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रशासन को कृतार्थ किया। सभी पंथों के पूज्य संतो ने प्रवचन और आशीर्वाद देकर ददरी मेला क्षेत्र की धरती को अनुग्रहित किया और ददरी मेला क्षेत्र के सभी निवासियों सहित विश्व मानव को आशीर्वाद दिया। इस सांत्वसमा में निम्न संत ने भाग लिया।

01- श्री रामाशंकर दास जी महाराज कामेश्वरधाम कारों। महामण्डलेश्वर कौशलेन्द्र गिरि जी श्रीनाथ मठ रसड़ा।

02- ब्रह्माकुमारी उमा बहन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ।

03- श्री गुरुप्रीत सिंह जी रागी हजूरी सिक्ख पंथ।

04- श्री बिजेंद्र नाथ चौबे जी गायत्री परिवार।

(05) पूज्य सुनीता तिवारी गायत्री परिवार

(06) आचार्य ज्ञानप्रकाश वैदिक जी आर्यसमाज।

(07)- आनन्द गौरांग दास जी श्रीकृष्णाभक्तामृत इस्कॉन।

(08)- श्री दुर्गा प्रसाद पाण्डेय जी उपादेष्टा, विहंगम योग।

(09)- भंते राहुल जी बौद्ध धम्म।

(10)श्रीमहंत उमाशंकर साहब , कबीर पंथ।

(11)श्रीमहंत गंगासागर शास्त्री जी दरिया साहब पंथ।.

(12)- श्री धनंजय शर्मा जी जय गुरुदेव पंथ।

(13)सुदेश सन्त गोंडवाना

(14)श्री राम बदन दास शाक्त पंथ

(15)श्री सत्यप्रकाश सतनामी

(16)श्री श्रद्धानंद ,विहंगम योग

(17)श्री बालक बाबा ,लखनेश्वर डीह

(18)श्री योगी स्वामी, श्री नाथ मठ रसड़ा

(19)श्री भूमक राजेश गोंड,गोंडवाना

(20) श्री सरदार रंजीत सिंह सिख धर्म

(21)श्री अमरजीत सिंह सिख धर्म

(22)श्री सरदार श्रवण सिंह सिख धर्म

ददरी मेला क्षेत्र में भ्रमण पूज्य संतो द्वारा किया जाना है।

पॉक्सो एक्टः दोषी शिव कुमार खरवार को 20 वर्ष की कठोर कैद

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाने व उसके साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी शिव कुमार खरवार को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर एक लाख 75 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख रुपए पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक जुगैल थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता के पिता ने दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 31 मई 2019 को सायं 4 बजे शिव कुमार खरवार पुत्र सोमारू निवासी घटिहटा, थाना जुगैल, जिला सोनभद्र उसकी 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले गया।बेटी की काफी तलाश किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर जुगैल पुलिस ने 10 जून 2019 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने शिव कुमार खरवार के विरुद्ध अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 9 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी शिव कुमार खरवार (40) वर्ष को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं एक लाख 75 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

पल्हारी विद्यालय में बच्चों ने लगाया बाल मेला

सोनभद्र। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां सोनभद्र में बाल दिवस के अवसर पर धुमधाम से बाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से गेंद से बोतल पर निशाना लगाना, दौड़ लगाना, मेढक रेस, धागे पर लटकी टॉफी उचक कर खाना आदि कार्यक्रम विशेष रहा। साथ ही कविता/कहानी सुनाना, वस्तुओं को छोटे से बड़े के क्रम में जमा कर दिखाना, अलग-अलग आकृतियों को छांटना एवं चित्र को जोड़ना, जमीन पर बिछाई गई रस्सी पर चलना चित्र बनाना एवं चित्र में रंग भरवाना, मिट्टी से खिलौने बनवाना,चित्र में रंगीन कागज के टुकड़े चिपकाना एवं विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाना, कला प्रतियोगिता, समूहगान इत्यादि गतिविधियां करायी गई।

इस अवसर पर डॉ बृजेश महादेव ने कहा कि बाल मेला यानी बच्चों का मेला होता है, जो शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों को जोड़ता है। इसका उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा और कौशल को निखारना, उन्हें व्यावहारिक गुण सिखाना है। ऐसे मेलों में बच्चे खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खाने-पीने की दुकानें लगाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं और आनंद उठाते हैं। डॉ महादेव ने बताया कि मेरे प्रयास से पल्हारी में बाल मेला 2003-4 से ही बच्चों द्वारा लगाया जा रहा है कुछ व्यवधानों के साथ यह 2016-17 तक अनवरत चला।

डॉ बृजेश महादेव का यह नवाचार अब प्रदेश भर में लागू हो गया जो जनपद के लिए गौरव की बात है।

बलिया जिलाधिकारी ने पीएम जन विकास कार्यक्रम की समीक्षा, यूनानी कॉलेज व पेयजल योजना पर हुई विस्तृत चर्चा

ब्यूरोचीफ अवधेश यादव, बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (ढटखण्ड) के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने को लेकर जिला स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई प्रमुख विकास प्रस्तावों पर विस्तार से विमर्श किया गया। बैठक में तहसील बेल्थरारोड के विकास खंड सीयर स्थित ग्राम पंचायत गोविंदपुर दुगौली में राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। करीब 24 करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिलाधिकारी ने इस महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। तहसील सिकंदरपुर के नगर पंचायत सिकंदरपुर में पाइप पेयजल व्यवस्था स्थापित करने के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये की परियोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कर लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा सकेगा। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता हो, गुणवत्ता के मानकों से कोई समझौता न हो।

सैदपुर में कई प्रतिष्ठानों पर!...जीएसटी टिम की औचक छापेमारी, बकाएदारों पर धारा 79 के तहत वसूली शुरू

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। जिले से है जहां पर वाराणसी से आई जीएसटी टीम गुरूवार को सैदपुर के ग्रामीण व नगर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जांच के लिए औचक छापेमारी की। इस दौरान जीएसटी टीम नगर सहित ददरा, अनौनी आदि क्षेत्र के बड़े बकाएदारों के यहां पहुंची, जहां उनके कागजों की जांच करते हुए धारा 79 के तहत वसूली की कार्यवाही की। बताया कि राज्य कर विभाग पिछले कुछ महीनों से व्यापारियों द्वारा जीएसटी का बकाया जमा न करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है। जिसके तहत व्यापारियों के बैंक खाते सीज किया जा रहा है और उनसे धन की वसूली की जा रही है। गुरूवार को नगर स्थित कई प्रतिष्ठानों पर गाजीपुर खंड-तीन के उपायुक्त सर्वेश सिंह के नेतृत्व मे टीम पहुंची।

जहाँ उनसे उनके पुराने जीएसटी बकाए टैक्स को जमा करने को कहा गया। इस दौरान जिस प्रतिष्ठान संचालक ने तत्काल जीएसटी जमा करने में असमर्थता जाहिर की तो टीम ने रिपोर्ट तैयार कर संचालक को नोटिस जारी करते हुए तय समय के अंदर बकाया जमा कराने का निर्देश दिया।

इसके बाद फटकार लगाते हुए टीम ने बकाएदार प्रतिष्ठान संचालकों को बकाया टैक्स जमा करने का निर्देश दिया तो कुछ लोगों ने तत्काल जमा करने में असमर्थता जतायी। जिस पर तत्काल रिपोर्ट तैयार कर नोटिस जारी करते हुए तय समय के अंदर बकाया टैक्स जमा करने का निर्देश दिया। इसके बाद वो ददरा और अनौनी स्थित व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर पहुंचे और कार्यवाही की। इस दौरान उपायुक्त सर्वेश सिंह ने बताया कि टीम द्वारा तहसील क्षेत्र के कई स्थानों पर बकाएदारों से डीआरसी-16 व सेक्शन 79 के तहत कार्यवाही करते हुए वसूली की जा रही है। बताया कि कार्यवाही के दौरान उक्त बकाएदारों को नोटिस जारी किया गया है, एक सप्ताह के अन्दर बकाया राशि ना जमा करने पर कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर उपायुक्त जयसेन, प्रभात सिंह आदि रहे।

हत्या का प्रयासः आरोपी अमेरिका उर्फ छोटेलाल को मिली जमानत

सोनभद्र। सत्र न्यायाधीश सोनभद्र राम सुलीन सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को हत्या का प्रयास मामले में आरोपी अमेरिका उर्फ छोटेलाल की जमानत अर्जी मंजूर कर लिया। साथ ही 50 हजार रुपये के व्यक्तिगत बंध पत्र व समान धनराशि की दो स्थानीय विश्वसनीय जमानत दाखिल करने पर 5 शर्तों के अधीन रिहा करने का आदेश दिया है।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक श्यामनारायन पुत्र राजाराम निवासी पड़री(कमरीडांड़), थाना म्योरपुर, जिला सोनभद्र ने म्योरपुर थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 17 अक्तूबर 2025 को लगभग 8 बजे रात में अमेरिका उर्फ छोटेलाल पुत्र स्वर्गीय ब्रह्मा यादव के दुकान पर उसका लड़का सारनाथ (27) वर्ष कुछ सामान लेने गया था उसी समय दुकान पर अमेरिका उर्फ छोटेलाल ने उसके लड़के को पुरानी रंजिश को लेकर गंदी गंदी गाली देते हुए जान मारने की नियत से चाकू से सीने पर कई वार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। शोरगुल करने पर जान मारने की धमकी देते हुए भाग गया। लड़का सरकारी अस्पताल लोढ़ी में भर्ती है, जहां इलाज चल रहा है। उचित कार्रवाई करने की कृपा करें।इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया था और अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया। अमेरिका 18 अक्तूबर 2025 से जेल में निरुद्ध है।

जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद जमानत का पर्याप्त आधार पाते हुए जमानत अर्जी मंजूर कर लिया।

शार्ट सर्किट के चलते निकली चिंगारी से बकरीपालन केंद्र में लगी आग,हुआ लाखों रूपए का नुकसान

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। गाजीपुर ज़िले से है जहां पर दुल्लहपुर थानाक्षेत्र के डिल्ला तालभित्तर गांव में बुधवार की रात ऊपर से गुजरे तार से शार्ट सर्किट के चलते निकली चिंगारी से बकरीपालन केंद्र में आग लग गई। जिससे अंदर बंधी करीब 35 बकरियां व बकरे जिंदा जल गए, वहीं 10 बकरियां गंभीर रूप से झुलस गईं। साथ ही 1 बीघे की धान की फसल जल गई। घटना के बाद पशुपालक का रो-रोकर बुरा हाल है। किसी तरह से ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। गांव निवासी सहातिम राजभर बकरीपालन कर परिवार का भरण पोषण करता है। वो मड़ईनुमा स्थान पर मवेशियों को बांधता था। बीती रात भी बकरियां व बकरे उसी में बंधे थे। इस बीच करीब 9 बजे ऊपर से गुजरे तार से शार्ट सर्किट के चलते चिंगारी गिरी और मड़ई में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया तो सभी को पता चला। जिसके बाद शोर मचाते हुए लोग वहां पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन आग फैलती ही चली गई और वहीं पर मौजूद एक बीघे की धान की फसल को भी अपनी जद में लेकर जलाकर राख कर दिया। इधर मड़ई में बंधे 35 बकरियों व बकरे की जिंदा जलकर मौत हो गई, वहीं 10 बकरियां गंभीर रूप से झुलस गईं। ग्रामीणों ने घंटों मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया तो देखा कि हर तरफ बकरियों की लाशें ही पड़ी हैं, जिनसे चमड़ी जलने की भयानक दुर्गंध आ रही थी।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा सेंट मेरी कान्वेंट स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा पुलिस अधीक्षक सर को प्लास्टर और शॉल स्टेशन को सम्मानित किया गया। छात्रों/प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक कला प्रदर्शनी में अपना कौशल दिखाया।

सर द्वारा छात्रों को बताया गया कि स्कूल में कला और विज्ञान के प्रदर्शन, छात्रों को अपने विचार, नवाचार और सिद्धांतों को चुनने का मौका मिलता है। वहीं कला शिक्षा छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करती है। यह उन्हें गायक के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने और व्यक्तिगत चरित्र विकसित करने में मदद करता है। कला शिक्षा से विद्यार्थियों की विशेषताएँ और नवीन तरीकों से परिचय शामिल हैं। जबकि विज्ञान वैज्ञानिकों में छात्र मॉडल दिखा सकते हैं, लाइव प्रयोग कर सकते हैं, या वैज्ञानिक विषयों पर शोध निष्कर्ष पेश कर सकते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम, छात्रों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रेरित और व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर देता है। सार द्वारा बारी-बारी से सभी

विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का संग्रहालय भी लिया गया और विद्यालय एवं विद्यार्थियों की प्रशंसा की गई, बच्चों ने जिस तरह की कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी में एक से एक अपना कौशल दिखाया है काबिल एक संग्रहालय है। उन्होंने स्कूल के कर्मचारियों को स्कूल जाने और हर संभव सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कहते हुए शिक्षा व्यवस्था के संस्थापक की बात कही।

योगी राज में जमकर मनरेगा में भ्रष्टाचार: खबर प्रकाशित होने के बाद भी बीडीओ की मिलीभगत से 91 मजदूरों की फर्जी हाजिरी

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर : करंडा विकासखंड के सुआपुर ग्राम सभा में मनरेगा योजना के नाम पर खुला लूट-खसोट का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा। योगी राज में जीरो टारलेंस, पारदर्शिता के दावे फेल, बीडीओ और ग्राम प्रधान की मिलीभगत से मनरेगा में फजीर्वाड़ा निर्भीकता से जारी है। जानकारी के मुताबिक, 11 नवंबर को मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद जब गौशाला के बगल में पोखरी खुदाई में जेसीबी मशीन से काम और मजदूरों की फर्जी हाजिरी का मामला सामने आया , तो बीडीओ करंडा ने दिखावे के लिए मास्टर रोल जीरो करने का आश्वासन दिया। जुलाई माह उसी गौशाला के बगल में पोखरी की खुदाई जेसीबी मशीन से करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया था फिर आनन फानन में बीडीओ द्वारा मास्टरों जीरो किया गया था। लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ इतनी गहरी है कि 12 नवंबर को दोपहर तीन बजे फिर उसी कार्य पर और अन्य कार्यों पर कुल 91मजदूरों की फर्जी ऑनलाइन हाजिरी लगा दी गई। लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार का सारा खेल बीडीओ और ग्राम प्रधान की सांठगांठ से चल रहा है।

मजदूरों के नाम पर जेसीबी से खुदाई, और भुगतान के लिए फर्जी उपस्थिति दर्ज कर सरकारी धन की बंदरबांट की जा रही है। यही नहीं विश्वसनीय सूत्रों बताते हैं कि मौनी बाबा धाम के पास स्थित पोखरी की खुदाई और सफाई कार्य भी मजदूरों से नहीं, बल्कि जेसीबी मशीनों से कराया गया, जबकि कागजों में करीब तीस मजदूरों की उपस्थिति दिखाकर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। यही नहीं राहुल के घर से पंडित के घर तक नाली निर्माण कार्य में करीब तीस मजदूरों की आनलाईन हाजिरी लगाई जा रही है।

धमाके के सुलगते सवाल

महेन्द्र सोनकर
संपादक

सुरक्षा की दृष्टि से चाकचौबंद मानी जाने वाली देश की राजधानी में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके ने कई ज्वलंत सवालों को जन्म दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के छिद्रों को पाटने की जरूरत के साथ चेताया है कि हमारी जरा सी चूक से आतंकवादियों को फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। अब जब मामले की जांच देश की शीर्ष खुफिया एजेंसियां कर रही हैं तो जांच के निष्कर्ष ही हकीकत बताएंगे। लेकिन धमाके का स्तर और उससे हुई जनधन की हानि चिंता बढ़ाने वाली है। निश्चित ही यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। सवाल यह भी उठता है कि चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी कैसे इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संवेदनशील इलाके में ले जाने में सफल हुए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर के रास्ते उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक फैले कश्मीरी डॉक्टरों के एक समूह ने घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे देश को चौंकाया कि समाज में दूसरे भगवान का दर्जा पाने वाले डॉक्टर कैसे लोगों के चिथड़े उड़ाने वाले कृत्य को अंजाम दे सकते हैं? उनकी उस शपथ का क्या हुआ जो डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद लोगों की जीवन रक्षा के लिए लेते हैं? अब तक यह मान्यता रही है कि आतंकवादी संगठनों से वे लोग ही जुड़ते हैं, जो कम पढ़े-लिखे होते हैं और विध्वंसकारी ताकतों के बहकावे में आकर आतंकवाद की राह में उतर जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस आतंक के स्लीपर सैल में डॉक्टरों के समूह का शामिल होना बेहद चिंता का विषय है। जो समाज के उस विश्वास को तोड़ता है कि डॉक्टर हमेशा जीवन देने वाला ही होता है। भविष्य में यह खतरनाक प्रवृत्ति अन्य व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले समूह को भी घातक रास्ते पर ले जा सकती है। ऐसे में हमें लाल किले के निकट घटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और आसन्न खतरे को महसूस भी करना चाहिए। बहरहाल, लाल किले के निकट की घटना एक आतंकी साजिश थी या बड़ी साजिश को अंजाम देने निकले अपराधियों की चूक से समय से पहले घटी घटना, ये एनआईए की जांच से ही पता चल सकेगा। लेकिन जो क्षति घटनास्थल पर हुई है वह किसी आतंकी घटना से कम तो नहीं है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी में हुई घटना के चलते भविष्य के खतरे के मद्देनजर सभी दृष्टिकोणों से मामले की जांच की जानी चाहिए। शायद इसी कारण से दिल्ली पुलिस ने यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम व अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच का दायरा बढ़ाया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के प्रश्न भी हमारे सामने हैं कि कैसे अपराधी इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ राजधानी में ले जाने में सफल हुए। जिसके चलते भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। याद रहे कि अतीत में भी कई बार दिल्ली को आतंक से दहलाने की कोशिशें हुई हैं। हमें उन घटनाओं से भी सबक लेने की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के मामले में जरा सी चूक भी व्यापक क्षति का सबब बन सकती है। देश को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को विफल बनाने और आम लोगों का जीवन सुरक्षित बनाने के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इस नये टेरर मॉड्यूल के मद्देनजर भी निगरानी का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। पता लगाने की जरूरत है कि कैसे अपराधी इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ वाया फरीदाबाद दिल्ली पहुंचाने में सक्षम बने। वैसे हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी घटनाओं पर लगभग विराम लगा हुआ था, लेकिन हालिया घटना ने हमारी चिंताओं को बढ़ाया ही है। हमें आतंकवाद को बढ़ावा देने के हर प्रयास को सख्ती से कुचलने की जरूरत है। सजग और सतर्क खुफिया तंत्र इसमें निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। साथ ही इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि इस कांड में सीमा पार सक्रिय आतंकी संगठनों की भूमिका तो नहीं है। बिना बाहरी मदद के इतनी बड़ी साजिश को अंजाम देना सहज नहीं हो सकता। व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का पनपना हमारी गहरी चिंता का विषय भी होना चाहिए।

विचार

महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दशार्ती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दशार्ती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है। दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दशार्ती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है। लेकिन इसकी शर्त यही है कि लापरवाही से सरकारी खर्च न बढ़ाया जाए या कोई खराब योजना का क्रियान्वयन न हो। ऐसे में आंकड़े तो दिखा सकते हैं कि कीमतें नियंत्रण में हैं, लेकिन लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी बयां कर सकते हैं। देश में सच्ची प्रगति तभी मानी जा सकती है, जब राहत हर घर तक पहुंचेगी। लेकिन जरूरत इस बात की है कि राहत सिर्फ सरकारी आकंड़ों में ही नजर न आए। यह भी हकीकत है कि कीमतों का संतुलन मांग व आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जिसकी ओर भी सत्ताधीशों को ध्यान देने की जरूरत होती है। निस्संदेह, ऐसे में खुदरा महंगाई में गिरावट सुखद ही है, लेकिन जरूरत इस बात की भी कि यह राहत आम आदमी को भी महसूस होनी चाहिए।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के जनादेश के मायने

वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता है; वहीं जाति-आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंधन (राजद-कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं। वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अनंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6% की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं। इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं- पहला, शासन और नेतृत्व पर असरः चुनाव परिणाम ने ₹डबल इंजन₹ की सरकार यानी केंद्र-राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉम्युर्ले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता-समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा।

दूसरा, विपक्ष के लिए संदेशः राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी वृत्तियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी। तीसरा, सामाजिक-राजनीतिक पटल पर प्रभावः वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता है; वहीं जाति-आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है। चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेतः बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है। वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी-जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है। राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरणः एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक-प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे। वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे। साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। नीतिगत और समाजिक प्रभावः बिहार में एनडीए की सरकार के विकास-कार्य, स्वास्थ्य-शिक्षा और महिला-सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिकता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं, खासकर मोदी सरकार 3.0 में सहयोगी दलों की भूमिका बढ़ सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव पर असरः बिहार परिणाम ने भाजपा को 2029 चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का ठोस आधार दिया है। विपक्षी गठबंधन को फिर से खुद को संगठित और प्रासंगिक साबित करने की चुनौतियां मिली हैं। बिहार जैसे राज्य का चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, गठबंधन व्यवस्था और चुनावी मुद्दों को गहराई से प्रभावित करता है। 2025 के नतीजे ठऊअ को केंद्र में मजबूती व विपक्ष को नए सिरे से आत्ममंथन का संकेत देते हैं।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश

में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला? 29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई। पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे।

सतत जागरूकता से बचेगी जनतंत्र की गरिमा

बिहार के चुनाव परिणाम पर रेवड़ी का क्या और कितना असर पड़ता है यह तो मतपत्रों की गणना के बाद ही पता चलेगा, पर यह एक खुला रहस्य है कि हमारे राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि देश का मतदाता रेवड़ियों से रिझाया जा सकता है। देखा जाये तो एक तरह से यह देश के मतदाता का अपमान ही है कि उसके बारे में ऐसी धारणा बन रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक बन गयी है, अर्से से हमारे राजनीतिक दल इस रेवड़ी- संस्कृति का सहारा लेकर चुनाव जीतने का प्रयास करते रहे हैं। शुरूआती दौर में यह काम चोरी- छिपे ढंग से होता था। मतदान से पहले की रात को न जाने क्या-क्या बंटता था मतदाताओं के बीच। अब भी ऐसा होता है, पर अब और भी रास्ते अपना लिये गये हैं, मतदाताओं को खरीदने के- उदाहरण के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर बिहार के सुशासन बाबू ने राज्य की लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस-दस हजार रुपये नकद बांट दिये। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी ऐसे प्रयोग हो चुके हैं। यही सब देखते हुए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या खैरात बांटकर चुनाव जीते जा सकते हैं? भले ही कुछ राजनीतिक-विश्लेषक यह कहते रहें कि ऐसा नहीं हो सकता, पर इस धारणा से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे राजनेता यही मानते हैं कि खैरात काम आती है। अब तो हमारे सत्ताशीर्ष भी यह मान चुके लगते हैं कि चुनाव के अवसर पर रेवड़ियां बांटना गलत नहीं है!

बात सिर्फ रेवड़ी-संस्कृति तक सीमित नहीं है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह जाति और धर्म का सहारा लिया जा रहा है, वह एक तरह से हमारे लोकतंत्र का मजाक उड़ाना ही है। जातियों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और धर्म की दुहाई देकर मतदाता को भ्रमित करने की कोशिशें बिहार के इस चुनाव प्रचार में लगातार हुई हैं। यहीं यह बात भी गौर करने लायक है कि चुनाव में ठोस मुद्दे उठाने के बजाय किसी जंगल राज और वोटों की कथित चोरी जैसी बातों का सहारा लेना राजनीतिक दलों को कहीं अधिक उपयोगी लगा है। सत्तारूढ़ पक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वह

राजनेताओं को यह अहसास कराया ही जाना चाहिए कि जनता को अपनी मुट्ठी में समझने की उनकी प्रवृत्ति देश के जागरूक मतदाता को स्वीकार नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों- मयार्दाओं का तकाजा है कि नेता अपनी सीमाएं समझें और जनता अपनी शक्ति को पहचाने

अपनी उपलब्धियों को आधार बनाकर मतदाता के समक्ष वोट मांगने जायेगा। पर देखा यह गया है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की बीस साल की पुरानी सरकार के जंगल-राज का डर दिखाकर वोट पाने की उम्मीद कर रहा है। यह मान भी लें कि लालू-राबड़ी की सरकार का कथित जंगल-राज बहुत बुरा था, तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि आज की युवा पीढ़ी को दो दशक पुराने उस अनुभव के आधार पर कोई निर्णय लेने के लिए कैसे कहा जा सकता है? विपक्ष से यदि कोई सवाल किया जाता है तो वह यह होना चाहिए कि उसके पास शासन का बेहतर विकल्प क्या है? यह मतदाता का अपमान नहीं तो और क्या है कि बिहार की वर्तमान सरकार की दस हजार रुपये की रिश्वत के मुकाबले में विपक्ष तीस हजार रुपये नकद देने का प्रलोभन दे रहा है? चुनाव जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव होते हैं। रेवड़ियों, रिश्वत और घिसे-पिटे आरोपों के सहारे चुनाव जीतने की कल्पना ही इस उत्सव की गरिमा, महत्ता और पवित्रता को नष्ट कर देती है। यह सचमुच हैरानी की बात है कि नीतियों और नीयत के बजाय समाज को बांटने वाले नारों को चुनाव जीतने का आधार बनाया जाता है। चुनाव का परिणाम क्या होगा यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि सुदृढ़ जनतंत्र की दुहाई देने वाले देश में घटिया मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ा जाना अपने आप में किसी शर्म से कम नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष के पास सबसे बड़ा मुद्दा बीस साल पुरानी सरकार की कथित विफलता थी और विपक्ष ने भी ठोस वैकल्पिक नीतियों को सामने रखने के बजाय ह्यवोट चोरीह्ण जैसे कमजोर मुद्दे को अपना हथियार बनाया। विपक्ष ने बेरोजगारी जैसे जरूरी मुद्दे को उठाया अवश्य, पर मतदाता में यह विश्वास नहीं जगा पाया कि वह बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था दे सकता है। इसी तरह सत्तारूढ़ पक्ष का ह्यघुसपैठियोंह्ण वाला मुद्दा भी बहुत ज्यादा कारगर नहीं लगा। वह इस सवाल का जवाब देने में भी विफल रहा कि उसके इक्कीस साल के शासन में वह घुसपैठियों को देश से निकाल क्यों नहीं पाया? इससे भी अधिक महत्वपूर्ण सवाल तो यह है कि इतने सारे घुसपैठिये देश में आ कैसे गये? इस सवाल का जवाब देश के गृहमंत्री को देना था, पर उनके पास जवाब था ही नहीं! हैरानी की बात तो यह है कि विपक्ष भी उस मजबूती के साथ इस सवाल को नहीं उठा पाया, जो इस मुद्दे का लाभ उठाने के लिए जरूरी थी। चुनाव-परिणाम भले ही कुछ भी हों, लेकिन सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने चुनाव-प्रचार के दौरान कुल मिलाकर घटिया रण-नीति का ही परिचय दिया है। जनतंत्र की सफलता का तकाजा है कि स्वस्थ राजनीति की संभावनाओं को साकार बनाने की दिशा में कुछ ठोस सोचा जाये, कुछ ठोस किया जाये। यह दुर्भाग्य ही है कि ठोस के नाम पर हमारे पास घटिया शब्दावली, घटिया नारे और घटिया तौर-तरीके हैं। बात सिर्फ बिहार के इन चुनावों तक ही सीमित नहीं है। हमारी राजनीति में सब जगह यह गिरावट आई है। एक तरह की गुरिल्ला शैली अपना ली है राजनेताओं ने- झपट्टा मार कर कहीं निकल जाओ वाली शैली। कुछ भी कह कर, कुछ भी कर के उसे भुला देना इस शैली की विशेषता है। मान लिया गया है कि मतदाता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। यह स्थिति बदलनी चाहिए। राजनेताओं की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए कि जुमलों के सहारे चुनाव जीता जा सकता है। राजनेताओं को यह अहसास कराया ही जाना चाहिए कि जनता को अपनी मुट्ठी में समझने की उनकी प्रवृत्ति देश के जागरूक मतदाता को स्वीकार नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों- मयार्दाओं का तकाजा है कि नेता अपनी सीमाएं समझें और जनता अपनी शक्ति को पहचाने। यह चिंता की बात है कि स्वस्थ राजनीति की जगह घटिया जुमलों वाली बीमार राजनीति पर हावी होती जा रही है। मान लिया गया है कि युद्ध और प्यार की तरह राजनीति में भी सब कुछ जायज है। चुनाव-दर-चुनाव यह स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। राजनेताओं के इस विश्वास के खोखलेपन को उजागर करना ही होगा कि वे जो कहेंगे-करेंगे जनता उसे स्वीकार कर लेगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, शव पहुंचने पर कोहराम

जौनपुर। प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की आजमगढ़ जनपद के ओरिल गांव में हत्या कर दी गई। गुरुवार को उसका शव तालाब के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान सुइथाकला (घमहा का पूरा) गांव निवासी 22 वर्षीय नरेंद्र बिंद पुत्र रामकिशुन बिंद के रूप में की गई। ज्ञात हो कि नरेंद्र अपने ननिहाल, आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर बनपुरवा गया था।परिजनों के अनुसार, नरेंद्र सुबह अपने मामा के बेटे राम अवतार के साथ घर से निकला था। रास्ते में उसने राम अवतार को नहर के पास रुकने को कहा और खुद आगे चला गया। कुछ देर बाद उसने पिता से फोन पर कहा कि कुछ लोग उसे मार रहे हैं, इसके बाद कॉल कट गया और मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।राम अवतार ने तलाश शुरू की तो तालाब के पास नरेंद्र को बेहोशी की हालत में पाया। परिजन तुरंत उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मृतक की भाभी सीमा ने बताया कि उनके मायके औरिल में बगल के घर की एक युवती से नरेंद्र का एक साल से प्रेम संबंध चल रहा था। नरेंद्र उसी से मिलने आया था। वह कोयंबटूर की एक फैक्ट्री में हेल्पर के रूप में काम करता था और करीब दस दिन पहले ही घर लौटा था।नरेंद्र चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है।

किशोरी का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

जौनपुर। सरपतहां थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पड़ोस के युवक पर उसकी पुत्री के साथ अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने और छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि बीते रबिवार को बांधगांव निवासी विशाल पुत्र रामदवर ने उसकी बेटी को बहला फुसलाकर उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोप है कि आरोपी युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए लगातार छेड़खानी करता है और विरोध पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।पीड़ित पिता द्वारा पुलिस से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई।पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित विशाल पुत्र राम दवर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 73,74,352,351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।थानाध्यक्ष यजुवेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अश्लीलता कर धमकाने पर तीन पर मुकदमा

जौनपुर। लाइनबाजार क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला को मनचलों ने अश्लील इशारे व फब्तियां कसने लगे।शिकायत करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दिया।महिला की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया एक गांव निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीते 31 अक्टूबर की शाम वह अपने घर के किचन में खाना बना रही थी। उसके गांव के ही तीन मलचले युवक उसके किचन के खिड़की के पास आकर अश्लील इशारे करते हुए अश्लील बाते शुरू कर दिया।तब महिला ने अपने पति को आवाज लगाई। जब पति दौड़ा हुआ आया तब तक तीनों मलचले युवक वहां से भाग गए। उन्होंने डायल 112 को सूचना दिया।सूचना पर पुलिस मौके पर आयी और तीनों युवकों को थाने ले गयी।शाम होने के बाद उन्हें छोड़ दिया। आरोप है कि थाने से छूटने पर वे तीनों युवक पुनः महिला के घर गये और उसे अब जान से मारने की धमकी देते हुए जातिसूचक गालियां भी दी। प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि एसपी के आदेश पर महिला की तहरीर के अनुसार केस को दर्ज कर लिया गया है।

खेल बच्चों के शारीरिक मानसिक विकास के लिए जरूरी

जौनपुर। डॉ0 रिजवी लर्नर्स एकेडमी में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपने जोश, साहस और कौशल से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रमुख प्रधानाचार्या डा0. रूचि शर्मा ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व और जीवन में उनकी भूमिका के बारे में प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, और स्कूल की पूरी टीम को इस आयोजन के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए बधाई दी। विद्यालय के खेल मैदान में अनेक खेल गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें दौड़, लंबी कूद,ऊँची कूद, क्रिकेट, भाला फेंक जैसे विभिन्न खेल प्रमुख थे। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और टीमवर्क का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खासकर विद्यार्थियों ने 200 मीटर दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन किया, जो दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीमों और खिलाड़ियों को शील्ड, प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को उनकी मेहनत और उत्साह के लिए प्रशंसा पत्र दिए गए। प्रधानाचार्या डा. रूचि शर्मा ने कहा, ह आयोजन केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बीच आपसी सहयोग, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन अवसर था। एवं खेल समारोह का समापन करते हुए सभी को खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ब्राह्मण समाज पर पुलिसिया उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

बसंत कुमार, मिर्जापुर। पंडित आचार्य जयप्रकाश पांडेय पर दर्ज फर्जी एससी एसटी एक्ट मुकदमा समाप्त किया जाए, पंडित सच्चिदानंद पाठक संयोजक संयुक्त ब्राह्मण मोर्चा ब्राह्मण समाज पर पुलिसिया उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ब्राह्मणों पर अत्याचार हुआ तो सड़क पर जवाब दिया जाएगा, पंडित सुनील कुमार पांडे एडवोकेट सहसंयोजक संयुक्त ब्राह्मण मोर्चा एवं राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय ब्राह्मण कल्याण संस्थान पंडित जयप्रकाश पांडे एवं उनके परिजनों पर दर्ज फर्जी मुकदमे को तत्काल समाप्त करने की मांग को लेकर संयुक्त ब्राह्मण मोर्चा के बैनर तले सभी ब्राह्मण संगठनों ने किया जिला मुख्यालय पर किया विशाल प्रदर्शन मांगों से संबंधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सौंप कर फर्जी मुकदमा

समाप्त करने की मांग किया।

आज संयुक्त ब्राह्मण मोर्चा के तत्वाधान में मिजार्पुर के सभी ब्राह्मण संगठनों द्वारा ब्राह्मण समाज पर हो रहे पुलिसिया उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि एवं पंडित जयप्रकाश पांडे पर दर्ज फर्जी एससी एसटी एक्ट का मुकदमा समाप्त करने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मांगों से संबंधित ज्ञापन पत्र जिला अधिकारी मिजार्पुर पवन कुमार गंगवार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल महेंद्र कुमार मिश्रा को सौंपकर तत्काल ब्राह्मणों पर अत्याचार बंद करने और पंडित जयप्रकाश पांडे पर दर्ज फर्जी एससी एसटी एक्ट का मुकदमा समाप्त करने की मांग से संबंधित ज्ञापन पत्र सौप कर तत्काल कार्रवाई करने की मांग किया गया तथा चेतावनी दिया गया यदि ब्राह्मणों पर अत्याचार बंद नहीं हुआ तो ब्राह्मण समाज सड़क पर उतरकर अपने समाज के मान सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष करने का कार्य करेगी प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद अखिल भारतीय ब्राह्मण कल्याण संस्थान अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद श्री नर्मदेश्वरमहादेव सेवा ट्रस्ट अखिल विश्व ब्राह्मण हिंदुत्व शक्ति मोर्चा ,सवर्ण आर्मी विन्ध पंडा समाज भारतीय सवर्ण संघ विभिन्न ब्राह्मण संगठनों एवं विद्वान जनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संयुक्त ब्राह्मण मोर्चा की संयोजक डॉ सच्चिदानंद पाठक ने कहा कि मिजार्पुर जनपद में लगातार पुलिस प्रशासन द्वारा ब्राह्मण समाज पर अन्याय पूर्ण कार्रवाई की जा रही है ब्राह्मण समाज को फर्जी एससी एसटी एक्ट में फसाने का कार्य किया।

बाल दिवस पर मेडिकल छात्रों ने की पहल नशा मुक्ति का दिया संदेश

गाजीपुर। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, उसकी पारिवारिक खुशियों और सामाजिक प्रतिष्ठा को बर्बाद कर देता है। नशे की लत से अपराध व दुर्घटनाओं की सम्भावना बढ़ जाती है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित होते हैं।

प्रधानाचार्य डॉ. आनंद मिश्रा ने कहा कि– समाज का भविष्य युवाओं पर टिका है। यदि युवा नशे की गिरफ्त में आते हैं, तो यह राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। मेडिकल छात्रों को आगे बढ़कर लोगों को इस बुराई से बचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के अन्य शिक्षकों, डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों ने भी भाग लिया। उन्होंने नशा छोड़ने के उपाय और हेल्थ सपोर्ट की जानकारी भी दी। राहगीरों और

आस-पास के लोगों ने छात्रों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसी जागरूकता लगातार होती रहनी चाहिए। छात्रों ने नशा मुक्त गाजीपुर का संकल्प लेते हुए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

एडीपीआरओ नीलेंद्र सिंह के ऊपर ग्राम प्रधान ने लगाया गंभीर आरोप!...

कहां की जांच के नाम पर शादे लेटर पैड लिए थे एडीपीआरओ नीलेंद्र सिंह

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव। बिरनो ब्लॉक के ग्राम सभा भोजापुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने गांव से लेकर ब्लॉक स्तर तक चर्चा छेड़ दी है। ग्राम प्रधान ने संबंधित अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जांच के नाम पर उनसे धोखाधड़ी की कोशिश की गई। जानकारी के अनुसार, जब एडीपीआरओ निलेंद्र सिंह को अस्थायी रूप से डीपीआरओ का चार्ज सौंपा गया था, उसी दौरान वे गांव में बने अंत्येष्टि भवन की जांच के लिए पहुंचे थे। जांच के दौरान ही ग्राम प्रधान और अधिकारियों के बीच कथित तौर पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई।

ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान अधिकारी ने उनसे सादा पैड लेकर फर्जी तरीके से अपने ही कर्मचारियों के नाम से ढाई लाख रुपये की मांग दशार्ने की कोशिश की।

ग्राम प्रधान का कहना है कि यह पूरा मामला उन्हें फंसाने और विभागीय कर्मचारियों पर दबाव बनाने की नीयत से किया गया था। वहीं इस मामले में एडीपीआरओ नीलेंद्र सिंह से बात किया गया तो उन्होंने बाइट देने से इनकार कर दए वहीं अपने उपर लगे आरोपों को बे बुनियाद बताते नजर आए।

भ्रष्टाचार पर कसा शिकंजा : अधिवक्ताओं के उग्र विरोध के बाद प्रशासन सख्त, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने तीन कर्मियों का पलट दिया पूरा पटल

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर। गाजीपुर ज़िले से है जहां पर बीते दिनों अधिवक्ताओं द्वारा तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार व तहसील के एक ही पटल पर बीते कई सालों से एक ही कर्मचारी की तैनाती के खिलाफ किए गए प्रदर्शन के बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामेश्वर सुधाकर ने बड़ी कार्यवाही की है। उन्होंने एक साथ तहसील के कर्मचारियों का पटल परिवर्तन किया है। जिससे तहसील कर्मियों में खलबली मच गई है। उन्होंने अपने पेशकार समेत तीन कर्मचारियों का पटल परिवर्तन किया है। परिवर्तन के बाद एसडीएम न्यायालय के पेशकार राजेश कुमार को सहायक राजस्व लेखाकार बनाया गया है। वहीं न्यायिक एसडीएम के पेशकार

परमानंद मौर्या को एसडीएम का पेशकार बनाया गया है। प्रमाणपत्र लिपिक विजय को एसडीएम न्यायिक का पेशकार बनाया गया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की इस कार्यवाही से तहसील कर्मियों में खलबली है। एसडीएम ने कहा कि पारदर्शितापूर्वक कार्य संपन्न कराने के लिए ये स्थानांतरण किए गए हैं।

निर्देश दिया कि शासन के मंशा के अनुरूप सभी कर्मचारी ईमानदारी से कार्य करें। किसी की शिकायत मिली तो कार्रवाई तय है।

जिलाधिकारी ने पीएम जन विकास कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

बलिया। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक बहुल्य क्षेत्रों में आधार भूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विकास प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। तहसील बेल्थरारोड के विकास खंड सीयर, ग्राम पंचायत गोविंदपुर दुगौली में राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रस्ताव पर विचार किया गया। लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत वाले इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इसके अलावा तहसील सिकंदरपुर के नगर

पंचायत सिकंदरपुर में पाइप पेयजल व्यवस्था स्थापित करने संबंधी 40 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने वाली यह परियोजना क्षेत्र की एक बड़ी आवश्यकता को पूरा करेगी। सभी प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने दोनों प्रोजेक्ट का प्रस्ताव शासन को भेजने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता तथा गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि अल्पसंख्यक बहुल्य क्षेत्रों में विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा सकें। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेंशनर्स कक्ष का उद्घाटन

मिर्जापुर। पेंशनर्स के बहुप्रतीक्षित मांग के क्रम में आज मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में अप्रयुक्त कक्ष का जीर्णोद्धार करके एक अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पेंशनर कक्ष का निर्माण करवाया गया। इस कक्ष का उद्घाटन जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में वयोवृद्ध पेंशनर सहदेई देवी आयु 102 वर्ष एवं मिठाई लाल आयु 104 वर्ष से दैविक मंत्रोच्चार से करवाया गया। कक्ष के उद्घाटन के बाद दीप प्रज्वलन और मां विंध्यवासिनी की पूजा अर्चना की गई। इस कक्ष के निर्माण से कोषागार में आने वाले पेंशनर को अपने विविध सेवानिवृक कार्यों ले लिए इधर उधर नहीं बैठना पड़ेगा। पेंशनर संघ के पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की एवं मुख्य कोषाधिकारी अर्चना त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी के साथ संयुक्त निदेशक कोषागार बाहरी गिरीश कुमार एवं कोषाधिकारी सौरभ सिंह भी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान

मिर्जापुर। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्र-2025 के दौरान चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/ कॉलेजों/ कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम०स्वानिधि योजना,पी०एम०सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के

अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निदेर्शों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें तथा शॉपिंग और बैंकिंग के लिए इसका इस्तेमाल कदापि न करें। साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर-1930 सहित विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों यथा- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झ्रमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया ।

एसएचओ ने सकुशल संपन्न कराया मौनी बाबा का मेला: पांच दिन तक नहीं हुई एक भी अप्रिय घटना

ब्यूरो चीफ गाजीपुर संजय यादव, गाजीपुर : करंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत चोचकपुर स्थित मौनी बाबा धाम पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय ऐतिहासिक मेला इस वर्ष पूरी तरह सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

मेला में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, लेकिन करंडा थानाध्यक्ष राजनरायन की सतर्कता और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के कारण एक भी अप्रिय घटना नहीं हुई।

पूरे मेले के दौरान पुलिस बल मुस्तैदी से डटा रहा। एसएचओ स्वयं फोर्स के साथ लगातार मेला परिसर का भ्रमण करते रहे। उन्होंने सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था को बखूबी

संभाला।

एसएचओ राजनरायन ने बताया कि पुलिस टीम को लगातार गश्त और निगरानी के निर्देश दिए गए थे। मेला में माहौल खराब करने या हुड़दंग मचाने वालों पर सख्त नजर रखी गई।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने भी थानाध्यक्ष की व्यवस्था और कार्यशैली की खुलकर सराहना की। मौनी बाबा धाम पूर्वांचल का प्रमुख आस्था स्थल है, जहां कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले मेले में चौकी, मिठाई, खिलौना, श्रृंगार, कपड़ा, चरखी, जादूगरी सहित सैकड़ों दुकानें लगती हैं।

बाल दिवस

नेहरू जी का बाल प्रेम

चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरू जी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था।

जब पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और तीन मूर्ति भवन उनका सरकारी निवास था। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे और पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे, तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया, जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरू जी ने मन ही मन सोचा- इसकी मां कहां होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं,तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू जी तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुजर रहे थे वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हो। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतर कर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाएं और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरूजी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे, बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया। तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाते हैं

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू पुकारते थे। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। देश की आजादी में भी नेहरू का बड़ा योगदान था। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का उचित मार्गदर्शन किया था। बाल दिवस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन स्कूली बच्चे बहुत खुश दिखाई देते हैं। वे सज-धज कर विद्यालय जाते हैं। विद्यालयों में बच्चे विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे अपने चाचा नेहरू को प्रेम से स्मरण करते हैं। बाल मेले में बच्चे अपनी बनाई हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाते हैं। इसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य, गान, नाटक आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। नुक्कड़ नाटकों के द्वारा आम लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें सभी बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों के रहन-सहन के स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इन्हें स्वस्थ, निर्भीक और योग्य नागरिक बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बाल दिवस का संदेश है। बाल दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के भविष्य के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा करती है। बाल श्रम रोधी कानूनों को सही मायनों में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अनेक कानून बने होने के बावजूद बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन बच्चों का सही स्थान कल-कारखानों में नहीं बल्कि स्कूल है।

अन्य देशों में बाल दिवस

भारत में यह दिन स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे, इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। दरअसल, बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कान्फ्रेंस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया, लेकिन अलग-अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानी 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है।

संविधान में बाल अधिकार

भारत का संविधान, संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं के ही अनुरूप बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए कई सुविधाएं देता है। संविधान हर तरह से देश में बच्चों के कल्याण और उनकी शिक्षा एवं बालश्रम से मुक्ति के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से उन्मूलन के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

- अनुच्छेद 15 (3) : राज्य को बच्चों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 21ए : राज्य को 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा देना क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- अनुच्छेद 24 : बालश्रम को प्रतिबंधित और गैर-कानूनी कहा गया है।
- अनुच्छेद 39 (ई) : बच्चों के स्वास्थ्य और रक्षा के लिए व्यवस्था करने के लिए राज्य क़ानूनी रूप से बाध्य है।
- अनुच्छेद 39 (एफ) : बच्चों को गरिमामय रूप से विकास करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

अमूमन हर अविभावक अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचता है, अच्छे से अच्छा करना चाहता है। और उसे सबसे आगे देखना चाहता है। इतना तक तो ठीक है और बहुत स्वाभाविक भी, लेकिन यहां देखना होगा कि हम बच्चे की प्रतिभा के संपूर्ण विकास की नींव रख रहे हैं या उसे अपनी महत्वाकांक्षा का हिस्सा बनाकर उसकी जिंदगी में अंधेरी दलदल और तनाव परोस रहे हैं।

चाचा नेहरू बच्चों के साथ

नेहरूजी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, झुलाया तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुज़र रहे थे, वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया, वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडित जी को देखने के लिए डोल रहे हों। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे ख़रीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया।

बाल शोषण

आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में, फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोककर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं, आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार हैं। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता एवं अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियां बरकरार रहें, इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने हैं। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए ज़रूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं, बल्कि मयूर पंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी। पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज़ गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे।

समारोह

हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निर्दोष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है। स्कूलों में भी यह दिन बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। संपूर्ण भारत में इस दिन स्कूलों में प्रश्नोतरी, फैंसी परिधान प्रतियोगिता और बच्चों की कला प्रदर्शनियों जैसे कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए विशेष समारोह और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू किया है। इस तरह के आयोजन देश के हर कोने में लोकप्रिय हुए हैं। अब टेलीविजन और अन्य मीडिया नेटवर्क समाज के प्रत्येक स्तर पर 14 नवंबर को बच्चों के लिए ख़ास कार्यक्रम बना रहे हैं।

राष्ट्रपति सहभागिता

हर वर्ष राष्ट्रपति भवन में देश भर से आए चुनिंदा बच्चों से भारत के राष्ट्रपति मुलाकात करते हैं। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे भी इस मौके पर देश के प्रति अपने विश्वास और भविष्य में चुनौतियों का सामना करने की भावना को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का मानना है कि देश के विकास में बच्चों की शिक्षा और अनुशासन का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने देश के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इनकी कड़ी मेहनत तथा संस्कृति ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। देश के 11वें राष्ट्रपति (भूतपूर्व) डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भी देश के विकास के लिए बच्चों का विकास आवश्यक मानते हैं। उन्होंने पद पर रहते हुए और बाद में भी कई मौकों पर यह संदेश दिया है कि देश का विकास बच्चों के हाथों में ही है। उन्होंने कहा था कि आज के साथ समझौता करने पर ही हम देश के बच्चों के लिए बेहतर कल दे सकेंगे। बच्चों के साथ उनके सवाल-जवाब पूरे देश में काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जारी डाक टिकट

नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे ख़रीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज़ आवाज़ से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया।

इस टीम से खेलते दिख सकते हैं 'सचिन के लाल'

अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने से पहले ट्रेड डील सुर्खियों में है। संजू सैमसन और रविंद्र जडेजा को लेकर राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच ट्रेड डील होने की संभावना है। इस बीच खबर है कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ट्रेड करने की तैयारी में है। वह अर्जुन को लखनऊ सुपर जायंट्स को देना चाहती है और शार्दुल ठाकुर को अपने साथ जोड़ना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच शार्दुल ठाकुर और अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, यह ट्रेड डील थोड़ी अलग है। दोनों खिलाड़ियों का फ्रेंचाइजियों के बीच स्वतंत्र आदान-प्रदान हो सकता है। सीधे-सीधे शब्दों में इसे ऑल कैश ट्रांसफर कहा जा सकता है।

बीसीसीआई देगा एक्सचेंज की जानकारी

आईपीएल के ट्रेड नियमों के अनुसार खिलाड़ियों के एक्सचेंज की आधिकारिक घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को करनी होती है। इसी वजह से फ्रेंचाइजी अभी तक चुप हैं। क्रिकबज के अनुसार मुंबई क्रिकेट जगत के सूत्रों ने पुष्टि की है कि एक्सचेंज स्वैप की संभावना है। यह घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। साथ ही 15 नवंबर को खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने की सूची भी जारी होनी है।

शार्दुल ठाकुर को पिछले साल जेद्दा में हुई आईपीएल मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में चुना था। उन्होंने एलएसजी के लिए 10 मैचों केवल 18 रन बनाए, लेकिन 13 विकेट लेने में कामयाब रहे। उन्होंने मुख्य रूप से नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी की।

अर्जुन को नहीं मिला खेलने को मौका

अर्जुन तेंदुलकर पिछले कुछ सीजन से मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। पिछली दो नीलामियों में उन्हें उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये में जोड़ा गया।

26 वर्षीय बाएं हाथ के ऑलराउंडर को पिछले सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन पिछले दो सीजन में उन्होंने चार मैच खेले हैं। 2023 में तीन और 2024 में एक मैच खेले। कुल मिलाकर उन्होंने पांच आईपीएल मैचों में 13 रन बनाए हैं और तीन विकेट लिए हैं।

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने अपनी टीम को दी चेतावनी

भारत के खिलाफ पहला टेस्ट आज से

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट सीरीज की शुरुआत मजबूती से करनी होगी और पहले टेस्ट में जीत की कोशिश करनी होगी.

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 14 नवंबर से कोलकाता में हो रही है. भारतीय टीम अपनी धरती पर बेहद मजबूत मानी जाती है. वहीं, दक्षिण अफ्रीका टेंबा बवुमा की कप्तानी में लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2023-25) की विजेता है. इस वजह से भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज के रोमांचक होने की उम्मीद है. पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा

है कि दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट सीरीज की शुरुआत मजबूती से करनी होगी और पहले टेस्ट में जीत की कोशिश करनी होगी. भारत की परिस्थितियों में वापसी मुश्किल होती है.

ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका को पारी की शुरुआत में जसप्रीत बुमराह का डटकर सामना करना होगा और इसके बाद भारतीय स्पिनरों का सामना भी सतर्कता से करना होगा. अगर शुरुआत में ही 2-3 विकेट गिर गए और फिर स्पिनर आ गए. उसके बाद टीम के लिए मुश्किल हो जाएगी. टीम को शुरुआत में विकेट खोने से बचना होगा. ' तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की प्रशंसा करते हुए ग्रीम स्मिथ ने कहा कि वह निश्चित रूप से आक्रमण का अगुआ है, और वह नई गेंद से लय कैसे बना पाता है, यह टेम्बा की कप्तानी वाली टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा. केशव महाराज और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है, लेकिन तेज गेंदबाज रिवर्स स्विंग को कैसे संभालते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा. स्मिथ ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कोलकाता की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी.

यह एक ऐसा स्टेडियम है जो अगर यह भरा हुआ हो, तो दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा. स्मिथ की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में एकमात्र टेस्ट सीरीज जीती है.

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा ट्रांसफर

● जडेजा लौट सकते हैं राजस्थान रॉयल्स, संजू सैमसन होंगे CSK के नए स्टार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी ट्रांसफर देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने करियर की शुरुआत करने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स में वापसी करने वाले हैं। इस संभावित मेगा डील के तहत राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ट्रेड का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि जडेजा को ट्रेड में कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे यह सौदा क्रिकेट इतिहास के सबसे चर्चित ट्रेड में से एक बन जाएगा।

जडेजा की 'घर वापसी' – नेतृत्व के नए अवसर

रिपोर्ट के मुताबिक, 37 वर्षीय रवींद्र जडेजा अपने करियर के अंतिम चरण में कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने आईपीएल 2008 में राजस्थान रॉयल्स से ही अपने सफर की शुरुआत की थी और 2008 के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी।

जडेजा ने 2012 में सीएसके जॉइन किया और अगले 13 सीजन में 2198 रन और 143 विकेट झटके, जिससे टीम ने तीन खिताब अपने नाम किए। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि उनके अनुभव से टीम को स्थिरता और दिशा मिलेगी, खासकर रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ।

विश्व कप शतरंजः प्रज्ञानन्दा ने बचाई बाजी, अर्जुन, कार्तिक,हरिकृष्णा और प्रणव ने भी खेला ड्रॉ

गोवा, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर्स के लिए मंगलवार का दिन राहत और रोमांच दोनों लेकर आया। फ़ीडे वर्ल्ड कप 2025 के चौथे दौर की पहली बाजी में भारत के आर. प्रज्ञानन्दा रूस के डेनियल दुबोव के खिलाफ एक समय हार की कगार पर पहुँच गए थे पर उन्हें एक बार फिर अपने विरोधी की कुछ ग़लत चालों का और खुद की हर कीमत पर लड़ते रहने का फ़ायदा हुआ आवर मुश्किल स्थिति से ड्रॉ निकालकर प्रज्ञानंद नें अपनी उम्मीदें कायम रखीं है । वहीं भारत के अर्जुन एरिगैसी, कार्तिक वेंकटारमन , प्रणव वी और पी. हरिकृष्णा ने भी अपने-अपने मुकाबलों में केल मोहरो से खेलते हुए ड्रा खेला। दूसरे वरीय अर्जुन एरिगैसी ने अनुभवी हंगेरियन ग्रैंडमास्टर पीटर लेको के खिलाफ सिर्फ 20 चालों में खेल ड्रॉ कर लिया। हरिकृष्णा ने स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को 32 चालों में रोका, जबकि कार्तिक वेंकटारमन ने वियतनाम के ली

क्वांग लियेम से 36 चालों में अंक साझा किया। जबकि भारत के दल के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक प्रणव नें उज़्बकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी याकूबबोएव नोदिरबेक के ख़िलाफ़ 82 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में शानदार बचाव करते हुए आधा अंक बांटा । वहीं प्रज्ञानन्दा का मुकाबला दिन का सबसे रोमांचक रहा। चौदहवीं चाल पर 'डी' प्यादा आगे बढ़ाने के बाद वे असुविधाजनक स्थिति में आ गए और घड़ी के दबाव में फंस गए। खेल की 39वीं चाल में उनसे एक भारी भूल हुई और अगर डुबोव घोड़े की चाल देख लेते तो प्रज्ञानन्दा की हार तय थी हालांकि डुबोव से निर्णायक चाल छूट गई और अंततः 41 चालों के बाद बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। अन्य महत्वपूर्ण मुकाबलों में दो बार के चैंपियन यूएसए के लेवोन एरोनियन ने पोलैंड के राडोस्लॉव वोइटाजेक को 37 चालों में सफेद मोहरों से हराया। वहीं पेरू के जोसे एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा ने रूस के एलेक्सी सारना को 39 चालों में परास्त किया।

लॉरा वोल्वार्ड्ट बनीं अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ

● विश्व कप में रनों की रानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन और प्रेरणादायक नेतृत्व के लिए अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के खिताब से सम्मानित किया गया है। भारत में आयोजित महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान वोल्वार्ड्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके बल्ले से आठ मैचों में 470 रन निकले, औसत रहा 67.14 और स्ट्राइक रेट 97.91, जो उनके क्लास और निरंतरता का प्रमाण है।

बल्ले से दमदार प्रदर्शन - 470 रन और शानदार औसत

लॉरा वोल्वार्ड्ट ने अक्टूबर में खेले गए महिला विश्व कप 2025 में आठ मैचों में 470 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शानदार शतक जड़ा, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कई मैचों में जीत मिली। उनका प्रदर्शन बेहद स्थिर रहा, हर मैच में उन्होंने रन बनाए और टीम को मजबूती दी। उन्होंने 67.14 की औसत और 97.91 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए दिखाया कि वह केवल एक तकनीकी बल्लेबाज़ नहीं, बल्कि एक आक्रामक मैच फिनिशर भी हैं।

'यह सम्मान मेरे लिए बेहद खास' : वोल्वार्ड्ट

पुरस्कार मिलने पर वोल्वार्ड्ट ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, 'महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक आयोजन था, और भारत में विश्व कप प्रदर्शन के बाद यह सम्मान मिलना गर्व की बात है।

टूर्नामेंट में कई शानदार मैच हुए और खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा कि भले ही टीम खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन वह अपनी टीम की लड़ाकू भावना और निरंतरता पर गर्व महसूस करती हैं। 'हमने दिल से खेला, और हमें पूरा भरोसा है कि

अगला विश्व कप खिताब अब हमारी पहुँच में है। '

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में ऐतिहासिक 169 रन

वोल्वार्ड्ट के अभियान की सबसे बड़ी झलक सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ देखने को मिली, जब उन्होंने 143 गेंदों पर 169 रन ठोक डाले। उनकी इस पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 320 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया और पहली बार महिला विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया।

लगातार प्रदर्शन से बनीं नंबर 1 बल्लेबाज

विश्व कप के दौरान वोल्वार्ड्ट ने कई मैचों में अहम भूमिका निभाई
न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत में निर्णायक योगदान
भारत के खिलाफ 70 रनों की संयमित पारी
बांग्लादेश के खिलाफ 60* रनों की नाबाद पारी
पाकिस्तान के खिलाफ 90 रनों की आक्रामक पारी
इन लगातार प्रदर्शनों ने उन्हें आईसीसी महिला बल्लेबाज़ी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचा दिया।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया मुकाबला भारतीय टीम ने 209 रन के बड़े अंतर से जीता। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 292 रन बनाए थे। कप्तान दीपिका टीसी बी3 ने 58 गेंदों पर 91 रनों की पारी खेली थी। फूला सरेन बी3 ने 22 गेंदों पर नाबाद 54, अनेखा देवी बी2 ने 14, अनु कुमारी बी1 ने 14 और काव्या वी बी1 ने नाबाद 12 रन बनाए। इसके अलावा भारतीय टीम को 52 अतिरिक्त रन और 26 पेनल्टी रन मिले। 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर में 57 रन पर सिमट गई।

दीपिका टीसी बी3 को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत ने अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ जीता था। दिन का पहला मुकाबला नेपाल और श्रीलंका के बीच खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 87 रन बनाए थे। बी3 मिहिरानी दुलांजलि ने 23 रन बनाए थे। नेपाल की तरफ से कांति योगी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। बिनीता पुन ने 11 रन देकर 1 विकेट लिया।

88 रनों का लक्ष्य नेपाल ने 5.2 ओवर में हासिल कर लिया। मनकेशी चौधरी ने 22 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से नाबाद 61 रनों की पारी खेली। मनकेशी की इस विस्फोटक पारी के दम पर नेपाल ने श्रीलंका को 9 विकेट से हरा दिया। मनकेशी चौधरी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 11 से 23 नवंबर तक खेला जाएगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमरीका की टीम विश्व कप में हिस्सा ले रही है।

इस्लामाबाद आतंकी हमले के बाद खौफ में

पाक दौरा छोड़कर लौटेगी श्रीलंकाई टीम!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान दौरे पर गई श्रीलंकाई टीम के आठ खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए बम धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के चलते घर लौटने का फैसला किया है. इस्लामाबाद की एक कोर्ट में सोमवार को हुए इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे. श्रीलंका क्रिकेट के एक सूत्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. इस घटना के कारण रावलपिंडी में गुरुवार को निर्धारित दूसरा वनडे रद्द हो सकता है. बता दें कि पाकिस्तान ने मंगलवार को खेले गए पहले वनडे में 6 रनों से जीत दर्ज की थी.

इससे पहले श्रीलंका के खिलाड़ियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर बोर्ड के सामने सवाल खड़े किए थे. उन्होंने

पाकिस्तान दौरा रद्द करने की इच्छा बोर्ड से जताई थी. जिसके बाद 8 खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से लौटने का फैसला लिया. बता दें कि श्रीलंका की टीम को तीन मैचों की इस वनडे सीरीज के बाद जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज भी खेलनी थी. सूत्रों के मुताबिक, रावलपिंडी और इस्लामाबाद की नज़दीकी के कारण खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और स्वदेश लौटने की इच्छा व्यक्त की.

नकवी ने खिलाड़ियों से की थी मुलाकात

इस्लामाबाद में हुए आतंकी हमले के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की थी और उन्हें 'फूलप्रूफ सुरक्षा' का आश्वासन दिया था . लेकिन खिलाड़ी इससे आश्वस्त नहीं थे. पाकिस्तान में खिलाड़ियों की सुरक्षा सवालों में रही है तीन साल पहले न्यूजीलैंड की टीम ने रावलपिंडी में होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज़ को आखिरी वक्त पर रद्द कर दिया था और सुरक्षा खतरे की विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद बिना मैच खेले ही वापस लौट गई थी.

2009 में श्रीलंका टीम पर हुआ था हमला

बता दें कि मार्च 2009 में, टीटीपी आतंकियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास श्रीलंकाई टीम की बस पर हमला किया था, जिसके बाद लगभग 10 साल तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बंद रहा था.

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

भाजपा कार्यकर्ताओं में गूंजा जश्न, बिहार चुनाव की जीत को लेकर जमकर हुआ उत्सव

ढोल नगाड़े संग जमकर हुई आतिशबाजी, महिलाओं ने जमकर लगाए ठुमके

वाराणसी। बिहार में भाजपा और एनडीए को रुझानों में मिली बड़ी जीत के बाद कंचनपुर स्थित जिला अध्यक्ष के पास भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शहर के विभिन्न स्थानों पर ढोल-नगाड़ों की थाप, आतिशबाजी और नृत्य की ताम-झाम के बीच लोगों ने एक-दूसरे को हर्षोल्लास के साथ बधाइयां दी।

वाराणसी के भाजपा जिला अध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा के कार्यालय (कंचनपुर) के पास पार्टी कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा। वहां मिठाइयां बाटी गईं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत के लिए बधाइयां दी गईं और उनके पोस्टर पर गले मिल कर खुशी व्यक्त की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी बिहार में फिर से सुशासन की हवा लेकर आ रही है – उनकी नीतियाँ, महिलाओं के लिए रुपये 10,000 की सहायता योजना और रोजगार की प्रतिबद्धता लोगों के लिए ताकत बन रही है।

सुसुवाही के पार्षद सुरेश कुमार पटेल उर्फ गुड्डू पटेल ने कहा, भाजपा को बिहार में बहुत बड़ी सफलता मिली है, इसलिए हम ढोल-नगाड़ों पर नाचकर जीत का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा ने भी इस जीत में अहम भूमिका निभाई – योगी जी ने बिहार में 27 रैली कीं, जिनमें से 24 में भाजपा-जगह पर झण्डा गाड़ा।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह जीत सिर्फ पार्टी की नहीं, बल्कि जनता के भरोसे की जीत है। महिलाओं को रुपये 10,000 देना और उनकी आगे बढ़ने की राह खोलना, ऐसा कदम है जिसे लोग बहुत आगे बढ़ाने की उम्मीद के साथ देख रहे हैं। इसी विश्वास के साथ वाराणसी में भाजपा की तिजोरी में जश्न का ठपाठप संगीत बज रहा है – दायरे में सिर्फ जीत नहीं, बल्कि नए राजनीतिक जोश का असर दिख रहा है।

रोडवेज बेड़े में शामिल होंगी 58 नई मिनी बसें

भदोही-चंदौली का सफर होगा आसान

वाराणसी। रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र के बेड़े में जल्द ही 58 नई मिनी बसों को शामिल किया जाएगा। इससे वाराणसी से चंदौली और भदोही जाना आसान होगा। विभाग ने इन बसों के संचालन के लिए रूट तय कर प्रस्ताव लखनऊ मुख्यालय को भेज दिया है।

मिनी बसों की लंबाई सात मीटर और 22 सीटर क्षमता वाली बसें होंगी, जो शहर और नजदीकी इलाकों में संचालित होंगी। मिनी बसों से शहर के अंदर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं समीप के जिलों चंदौली, भदोही और आसपास के इलाकों से जुड़ाव होगा।

ये बसें भदोही के साथ ही चंदौली के पीडीडीयू नगर, सकलडीहा, चकिया और नौगढ़ जैसे प्रमुख मार्गों पर संचालित होंगी। इन मार्गों पर लंबे समय से सिटी बसों को चलाने की मांग की जा रही थी। यात्रियों को छोटी दूरी की यात्रा के लिए विकल्प नहीं मिल रहे थे। ऐसे में वे निजी सवारी वाहनों पर निर्भर थे। मिनी बसों के संचालन से राहत होगी।

नगर आयुक्त ने दाखिल-खारिज और जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र समय पर उपलब्ध कराने के दिए सख्त निर्देश

वाराणसी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने शुक्रवार को शहर के दशाश्वमेध जोन कार्यालय, बेनियाबाग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मैदागिन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मंदाकनी उद्यान और बेनियाबाग ऑटो स्टैंड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली, अधिकारियों की जिम्मेदारियों, नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता तथा सुविधाओं की उपलब्धता का बारीकी से अवलोकन किया।

नगर आयुक्त ने सबसे पहले बेनियाबाग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर दुकानदारों से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने सहायक नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि कॉम्प्लेक्स को और बेहतर विकसित करने तथा इसके सौंदर्यीकरण के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए, ताकि परिसर आधुनिक और व्यवस्थित रूप में विकसित हो सके।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त दशाश्वमेध जोन कार्यालय भी पहुंचे। यहाँ उन्होंने म्यूटेशन, टैक्स कलेक्शन सेंटर, जन्म-मृत्यु पंजीकरण सहित विभिन्न पटलों की कार्यप्रणाली की गहराई से समीक्षा की।

इस दौरान संपत्ति कर जमा करने आए एक भवन स्वामी से बातचीत कर उन्होंने कार्यालय की कार्य दक्षता का प्रत्यक्ष आकलन किया। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि दाखिल-खारिज और जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं और किसी भी नागरिक को अनावश्यक विलंब या परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने परिसर में स्थित जर्जर भवन को हटाने तथा वाराणसी वेस्ट सॉल्यूशन की गाड़ियों को एक तरफ सुव्यवस्थित रूप से खड़ा कराने के भी निर्देश दिए।

इसके बाद नगर आयुक्त ने टाउनहाल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और वहां स्थित स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि पार्किंग क्षेत्र के सामने दुकानों का आवंटन किया गया है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर की छापेमारी में 51 मेडिकल फर्म सील

ड्रग माफिया के 12 करीबियों पर केस, कफ सीरप के रैकेट की तलाश जारी

वाराणसी। वाराणसी में नशीली औषधियों की अवैध बिक्री और अनियमित व्यापार के खिलाफ शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने व्यापक अभियान चलाया। आयुक्त रौशन जैकब के निर्देशन में लखनऊ और वाराणसी के कुल 10 औषधि निरीक्षकों की टीम ने जिले के कई प्रमुख थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान टीम ने 51 फर्मों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। वहीं, 12 फर्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी फर्मों के ड्रग लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं और उनके भंडारण, वितरण, खरीद-बिक्री और रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू कर दी गई है।

आयुक्त रौशन जैकब ने बताया कि यह कार्रवाई प्रदेशभर में चल रहे औषधि नियंत्रण अभियान का हिस्सा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य नशीली व प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पर कड़ी रोक लगाना है।

प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क स्वेटर का हुआ वितरण

वाराणसी। बाल दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय कबीरपुर में शुक्रवार को एक विशेष सामाजिक पहल के तहत बच्चों को निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजसेवी राजेश कुमार सेठ ने किया। उन्होंने कक्षा 1 से 5 तक के कुल 236 बच्चों को स्वेटर वितरित किए। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इस पहल से बच्चों में उत्साह और खुशी स्पष्ट दिखाई दी।

स्वेटर वितरण से पूर्व बच्चों का कतारबद्ध होकर स्वागत किया गया। इसके बाद राजेश कुमार सेठ और विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमेश तिवारी ने संयुक्त रूप से बच्चों को स्वेटर सौंपे। बच्चों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी, क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों से आने वाले इन बच्चों को अक्सर ठंड में स्वेटर उपलब्ध नहीं हो पाता।

राजेश कुमार सेठ ने बताया कि ठंड का मौसम प्रारंभ हो चुका है और कई अभिभावक अपने बच्चों के लिए गर्म कपड़े उपलब्ध नहीं कर पाते। ऐसे में समाज का यह दायित्व बनता है कि वह जरूरतमंद बच्चों की सहायता करे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा ठंड से परेशान न हो। इसी उद्देश्य के साथ यह पहल की गई है और आगे भी समय-समय पर विभिन्न विद्यालयों में स्वेटर एवं अन्य शैक्षिक सामग्री जैसे पेंसिल, रबर आदि का वितरण जारी रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में कार्यरत चार महिला रसोइयों को भी स्वेटर प्रदान किए गए। स्वेटर प्राप्त कर रसोइयों ने राजेश कुमार सेठ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह कार्य अत्यंत पुनीत एवं प्रेरणादायक है।

प्रधानाध्यापक उमेश तिवारी ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राजेश कुमार सेठ द्वारा किया गया यह सहयोग बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे न केवल बच्चों को ठंड से राहत मिलेगी, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी प्रबल होगी। कार्यक्रम के दौरान अध्यापिका में मुख्य रूप से जया मिश्रा संगीता संध्या कविता ज्योति साक्षी सरिता रीना एवं सीमा सहित रसोईया में गिरजा, प्रभावती, अंजू, आशा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डीडीयू मंडल के स्काउट एवं गाइड दल ने राष्ट्रीय डायमंड जुबली सेलिब्रेशन में द्वितीय स्थान प्राप्त कर मंडल का नाम किया रोशन

संजय शर्मा ब्यूरो चन्दौली, चन्दौली/डीडीयू नगर। गदपुरी, पलवल (हरियाणा) में आयोजित नेशनल लेवल डायमंड जुबली

सेलिब्रेशन में भारतीय रेल के लगभग 15 जोनों के स्काउट एवं गाइड के बच्चों ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक और शारीरिक दक्षता आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल से 94 बच्चे तथा गड़हरा से 4 बच्चे– कुल 99 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की दो प्रमुख श्रेणियाँ– मार्च पास्ट और फोक डांस–में डीडीयू मंडल की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और मंडल का गौरव बढ़ाया।

विजयी टीम के आज स्टेशन पहुंचने पर जिला स्काउट गाइड के सचिव एवं विभिन्न ग्रुपों के लीडरों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इसी क्रम में आज विजयी टीम ने जिला मुख्य आयुक्त सह वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी उज्ज्वल आनंद के नेतृत्व में मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना से भेंट की। मंडल रेल प्रबंधक ने बच्चों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि आपने मेहनत और लगन से जो द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, वह सराहनीय है। भविष्य में आप और भी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

सिक्स लेन सड़क निर्माण में डीपीआर को भी ठेंगा दिखा रहे हैं पीडब्ल्यूडी के अधिकारी: संतोष कुमार पाठक एडवोकेट

काली मंदिर को शौचालय के बगल में न बनवाये प्रशासन- संतोष कुमार पाठक एडवोकेट

चंदौली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में सिक्स लेन सड़क हेतु आंदोलन कर रहे नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार पाठक एडवोकेट आज अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार से मिले तथा उन्हें एक ज्ञापन सौंप कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में डी पी आर के अनुसार गल्ला मंडी से सपा कार्यालय तक सिक्स लेन सड़क बनवाने की मांग की।

संतोष कुमार पाठक एडवोकेट ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में पी डब्लू डी के अधिशासी अधिकारी व माननीय जी सिक्स लेन सड़क को अपने सुविधा के अनुसार व लोगों से पैसे लेकर अधिकारी पतला कर रहे हैं जो कि कत्तई ठीक नहीं है। क्योंकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर जाम से कराह रहा है। बहुत दिनों बाद सड़क चौड़ीकरण योजना आयी जिसे इन लोगों ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया और जहां जाम लगता है वहां फोरलेन सड़क तोड़कर फोरलेन ही बना रहे हैं। गल्ला मंडी से जी टी आर ब्रिज तक भी सिक्स लेन सड़क बनाने में आनाकानी कर रहे हैं। जो कि संशोधित डी पी आर में भी सिक्स लेन है। इसके अलावा मुगलसराय में काली मंदिर का निर्माण शौचालय के बगल में किया जाना कतई उचित नहीं है। क्योंकि वह पीडब्ल्यूडी की जमीन है और पीडब्ल्यूडी की जमीन पर नियमानुसार कोई धार्मिक स्थल नहीं बन सकता है। काली मंदिर को उनके अपने नाम से आवंटित जमीन पर जो कि गल्ला मंडी के पश्चिम तरफ पोखरी के पास स्थित है वहां बनाने की मांग की। संतोष कुमार पाठक एडवोकेट ने कहा कि मुगलसराय पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। जहां भयंकर जाम लगता है वहीं फोरलेन बन रहे हैं। ये लोग पूरे दो लेन सड़क ही खा गये। इस वजह से इस सड़क के चौड़ीकरण का उद्देश्य ही समाप्त हो गया है। अगर अतिक्रमण हटाकर सिक्स लेन सड़क बन जाती तो आगामी कई वर्षों तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर को जाम से राहत मिल सकती थी।

443 मोबाइल फोन बरामद

बलिया। उल्लेखनीय है कि जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के आवेदक जिनका मोबाइल फोन बाजार, रास्ते में अथवा भिन्न-भिन्न स्थानों से कहीं गुम हो जाने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर अपने मोबाइल की गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी, जिसके उपरान्त जनपद के सम्बंधित थानों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए CEIR पोर्टल पर रजिस्टर एवं सर्विलांस सेल बलिया व थाना साइबर हेल्प डेस्क पुलिस टीम द्वारा उक्त पोर्टल पर रन कराये गये गुमशुदा कुल 443 अदद मोबाइल फोन को रिकवर/बरामद कर उनके मोबाइल स्वामियों को नियमानुसार पुलिस टीम द्वारा सुपुर्द किया गया।

रिकवर/बरामद किये गये कुल मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 59,43,600/- (उनसठ लाख तिरालिस हजार छः सौ मात्र) रुपये । समस्त मोबाइल स्वामियों द्वारा पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

इसी क्रम में महोदय द्वारा जनपद के समस्त थानाध्यक्ष/थाना प्रभारी को यह निर्देशित किया गया कि थाना स्तर पर कार्यरत CEIR पोर्टल के माध्यम से कार्यवाही करते हुए गुमशुदा मोबाइलों को बरामद कर उनके वास्तविक मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किया जाए।

उजाला संचार NEWS
NEW VIDEOS EVERYDAY

उजाला संचार यूट्यूब चैनल
सब्सक्राइब करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सच हर दिल तक पहुँचे

youtube.com/@ujalasanchar
सब्सक्राइब करें – ताकि कोई बड़ी खबर न छूटे!
लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!
कमेंट करें – अपनी राय हमारे साथ शेयर करें!
शेयर करें – सच की खबर को और आगे पहुँचाएँ!
SUBSCRIBE
AND ENABLE NOTIFICATIONS

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाशक, प्रधान संपादक महेंद्र कुमार सोनकर द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।